mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-53 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

24 अगस्त 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी 24 सितंबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अपने हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों पर लगी पाबंदी एक बार फिर 24 सितंबर तक के लिए बढ़ा दी है। पड़ोसी देश ने भी अपने हवाई क्षेत्र को भारतीय विमानों पर पाबंदी की अवधि को बढ़ा कर 24 सितंबर कर दिया है।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि दोनों देशों ने हवाई क्षेत्र को बंद करने की अवधि बढ़ाने के लिए अलग-अलग नोटिस टू एयरमेन (नोटम) जारी किए हैं। 22 अगस्त को जारी नोटिस के मुताबिक भारतीय हवाई क्षेत्र पाकिस्तान में पंजीकृत विमानों और पाकिस्तानी एयरलाइनों/संचालकों द्वारा संचालित/स्वामित्व वाले या पट्टे पर लिए गए विमानों, जिनमें सैन्य उड़ानें भी शामिल हैं, उसके लिए उपलब्ध नहीं होगा। हवाई क्षेत्र 23 सितंबर को 23.59 बजे (UTC) तक बंद रहेगा, जो 24 सितंबर को 05:30 बजे (IST) तक होगा।

अनिल अंबानी के घर पर ईडी के बाद अब सीबीआई का छापा

मुंबई, एजेंसी। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के प्रवर्तक निदेशक अनिल अंबानी की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। कथित बैंक धोखाधड़ी के से जुड़े मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को आरकॉम के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए मुंबई स्थित उनके ठिकानों पर छापा मारा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार सीबीआई की टीमें मुंबई में आरकॉम और उसके प्रवर्तक निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी कर रही है। अनिल अंबानी पर आरोप है कि इस धोखाधड़ी से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को 2000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच के सीधे प्रसारण पर लगे रोक, प्रियंका चतुर्वेदी की मांग

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एशिया कप में संभावित भारत-पाकिस्तान मैच के देश में सीधे प्रसारण पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय हित और जनभावना का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाले एशिया कप के दौरान भारत-पाकिस्तान मैच का सीधा प्रसारण बंद करने के लिए सरकार को पत्र लिखा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखे पत्र में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा, मैं आपको गहरी पीड़ा और चिंता के साथ लिख रही हूं, न केवल एक संसद सदस्य के रूप में, बल्कि इस देश के नागरिक के रूप में भी, जो अभी भी इस साल पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में जानमाल के नुकसान का गम भूल नहीं पाया है।

पटना में ट्रक-ऑटो में टक्कर, 9 की मौत

- विधायक बोले- अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री की गाड़ी ने उड़ाया; सड़क पर लाशों को पकड़कर रोते रहे लोग

पटना/ नालंदा, एजेंसी। पटना में सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई है। 4 लोग घायल हुए हैं। एक्सीडेंट शनिवार सुबह शाहजहांपुर के दनियावां हिलसा स्टेट हाईवे-4 पर सिगरियावा स्टेशन के पास हुआ।

ट्रक-ऑटो में हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 ने अस्पताल में दम तोड़ा। मरने वालों में 8 महिलाएं और ऑटो ड्राइवर शामिल हैं। मृतकों में मां-बेटी भी है। दनियावां थाना अध्यक्ष ने बताया, मृतक नालंदा जिले के हिलसा के मलावा के रहने वाले थे। घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है। सभी को इलाज के लिए PMCH भेजा गया है।

प्रत्यक्षदर्शी राजीव रंजन ने बताया, सुबह 6 बजे के आसपास की घटना है। ट्रक वाले ने ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। ऑटो से सभी गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। 8 से 9 लोगों की मौत हुई है। 4-5 घायल हैं। हादसा सीमेंट फैक्ट्री के पास हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक सीमेंट फैक्ट्री का ही था। हादसे के बाद ट्रक कंपनी के अंदर चला गया। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया है। मौके पर फैक्ट्री संचालक को बुलाने की मांग कर रहे हैं।

पंजाब में एलपीजी टैंकर में लास्ट

घर-दुकानें जलीं,मरने वालों की संख्या 4 हुई, 30 झुलसे

- 14 घंटे बाद होशियारपुर-जालंधर नेशनल हाईवे खुला

होशियारपुर, एजेंसी। पंजाब के होशियारपुर में शुक्रवार रात सब्जी से भरी पिकअप (छोटा ट्रॉला) के टक्कर मारने से LPG टैंकर में ब्लास्ट हो गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। गैस के रिसाव से आग ने आसपास के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। इसमें 15 दुकानें और 4 घर जल गए। SDM गुरसिमरनजीत कौर ने कहा कि अभी तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 लोग घायल हैं। कुछ घायल सिविल अस्पताल में, तो कुछ प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं।वहीं, सीएम भगवंत मान ने मृतकों के परिवारों को 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि घायलों का मुफ्त इलाज करवाया जाएगा। SP मेजर सिंह ने कहा कि हादसा मंडियाला गांव में हुआ। FIR दर्ज कर ली है। लोगों का आरोप है कि गैरकानूनी तरीके से गैस भरी जा रही है, उस एंगल पर भी जांच कर रहे हैं।

क्रेन मंगवा कर टैंकर और पिकअप को हाईवे से हटाया गया। करीब 14 घंटे के बाद होशियारपुर-जालंधर नेशनल हाईवे खुला।

कर्नाटक- कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को ईडी ने गिरफ्तार किया,छापेमारी में 12 करोड़ कैश, 6 करोड़ की ज्वैलरी मिली

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने शनिवार को गिरफ्तार किया। वीरेंद्र की गिरफ्तारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई है। शुक्रवार को ED ने वीरेंद्र के ठिकानों पर छापा मारा था। जांच एजेंसी को छापेमारी के दौरान 12 करोड़ कैश और 6 करोड़ की ज्वैलरी मिली है। साथ ही एक करोड़ की फॉरेन करेंसी भी बरामद की है। चार गाड़ियां भी जब्त की गई हैं। केसी वीरेंद्र कर्नाटक की चित्रदुर्ग विधानसभा में विधायक हैं। बताया गया है कि विधायक की गोवा में कैसीनो कारोबार में हिस्सेदारी है। वे करीब पांच कैसिनो के मालिक हैं, जिसमें फेमस पप्पीज अंदर बाहर कैसीनो भी शामिल है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस :

कम समय में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि बेहद कम समय में भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है और अब नए कीर्तिमान स्थापित करना भारतीय वैज्ञानिकों का स्वभाव बन गया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर एक वीडियो संदेश में उन्होंने अंतरिक्ष यात्रियों के पूल सहित अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी कई भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि एक समय भविष्य के अंतरिक्ष क्षेत्र को अनेक पाबंदियों में बांध दिया गया था। हमने इन बेड़ियों को खोलने का कम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर देश के युवाओं वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप को बधाई दी। उन्होंने इस वर्ष के अंतरिक्ष दिवस के थीम आर्यभट्ट से गगनयान तक को आत्मविश्वास और भविष्य के संकल्प का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह दिवस अब युवाओं में उत्साह और आकर्षण का केंद्र बन चुका है और भारत के लिए गर्व का क्षण है।उन्होंने उल्लेख किया कि दो वर्ष पूर्व भारत चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना था। साथ ही, शुभांशु शुक्ला ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गर्व से भर दिया। प्रधानमंत्री ने इसे अविस्मरणीय क्षण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज अंतरिक्ष क्षेत्र में बदलाव लाने वाली तकनीकों पर कार्य कर रहा है। इनमें सेमी क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी प्रगतियां शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निकट भविष्य में भारत का गगनयान मिशन उड़ान भरेगा और देश का अपना अंतरिक्ष स्टेशन भी स्थापित होगा।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स का भी उल्लेख किया, जिसमें 60 से अधिक देशों के 300 युवाओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने निजी क्षेत्र की भागीदारी की चर्चा करते हुए कहा कि जल्द ही पहला प्राइवेट संचार सैटेलाइट लॉन्च होगा।

साल 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जा रहे, पहला मॉड्यूल साल 2028 तक प्रक्षेपित होगा-वी नारायणन

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और दृष्टिकोण के आधार पर हम चंद्रयान-4 मिशन करने जा रहे हैं। हम एक शुक्र ग्रह ऑर्बिटर मिशन करने जा रहे हैं। हम साल 2035 तक एक स्पेस स्टेशन बनाने जा रहे हैं, जिसे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन कहा जाएगा और इसका पहला मॉड्यूल साल 2028 तक प्रक्षेपित किया जाएगा। नेशनल स्पेस डे के मौके पर भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वी नारायणन ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक एनजीएल (नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्चर) को भी मंजूरी दी है। साल 2040 तक भारत चाँद पर उतरेगा और सुरक्षित वापसी भी करेगा। इस प्रकार साल 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम दुनिया के किसी भी अन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम के बराबर होगा।

इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा, हमारी एक बड़ी उपलब्धि यह है कि हमने अपने एक गगनयात्री को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन भेजा। इसके लिए फिर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करना होगा। यह उनका ही विचार था कि अपने रॉकेट से गगनयात्री को भेजने से पहले हमें उनमें से एक को आईएसएस भेजना चाहिए। उनकी दूरदृष्टि ने आज एक बड़ी सफलता दिलाई। शुभांशु शुक्ला आई एसएस गए और सुरक्षित लौट आए।

प्रधानमंत्री के बिहार दौरे को लेकर पोस्ट करने पर तेजस्वी यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करवाई गई है। यह प्राथमिकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दो नेताओं द्वारा कराई गई है। उत्तर प्रदेश शाहजहांपुर में भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने सदर बाजार थाने में तेजस्वी यादव के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि राजद के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट जारी किया गया था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। साथ ही उनकी फोटो का उपयोग भी किया गया है, जिससे जनता की भावनाएं आहत हुई हैं।

ऐसे में तेजस्वी यादव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। महाराष्ट्र में भाजपा विधायक मिलिंद नरोटे की शिकायत पर पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के खिलाफ गढ़चिरौली पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धारा जैसे धारा 196(1)(ए)(बी), 356(2)(3), 352, 353(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। गढ़चिरोली के भाजपा विधायक मिलिंद नरोटे ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि गयाजी में शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी की सभा थी। उसी सभा की पृष्ठभूमि में तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक कार्टून साझा किया।

गढ़चिरोली विधायक ने कहा कि पोस्ट में प्रधानमंत्री की गया जी रैली को जुमलों की दुकान बताया गया । साथ ही एक गाना भी पोस्ट किया गया है। तेजस्वी की पोस्ट में लाठीचार्ज जैसी बातें भी दर्शाई गई हैं। यह कहीं न कहीं हमारे संविधान के अनुरूप नहीं है। गढ़चिरोली का एक जागरूक नागरिक और विधायक होने के नाते मैंने आज (शनिवार को) थाने में जाकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है। हमारी मांग है कि इस मामले से जुड़ी हर बात की जांच की जाए और अगर उन्होंने कोई अपराध किया हो, तो उन्हें गिरफ्तार किया जाए।

इस बबात तेजस्वी यादव ने बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में एफआईआर से कौन डरता है? जुमला शब्द कहना भी अपराध हो गया है? सच बोलने से ये लोग घबराते हैं। लोगों को सच बोलने से तकलीफ होती है। हम किसी एफआईआर से नहीं डरते और हम सच बोलते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते 22 अगस्त को प्रधानमंत्री का बिहार दौरा था। इसी बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा था कि आज गया में लगेगी झूठ और जुमलों की दुकान! प्रधानमंत्री जी गया में बिना हड्डी की जुबान से आज झूठ और जुमलों का हिमालय खड़ा करेंगे, लेकिन बिहार के न्यायप्रिय जनता दशरथ मांझी की तरह उनके झूठ और जुमलों के इन विशाल पहाड़ों को तोड़ देगी।

अमेरिका से वार्ता जारी, लेकिन 'रेड लाइन' भी: जयशंकर

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता अब भी जारी है और हमारी कुट्टी नहीं हुई है। हालांकि कुछ सीमा रेखा हैं जिन्हें पार नहीं किया जाना चाहिए। भारत के अपने राष्ट्रीय हित हैं जिनके आधार पर हम निर्णय लेते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने मोदी सरकार की स्पष्ट नीति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित, रणनीतिक स्वायत्तता और पाकिस्तान के साथ संबंधों को लेकर किसी भी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करना वे 'रेड लाइन' हैं जिसे पार नहीं किया जाना चाहिए। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने शनिवार को एक समाचार पत्र से जुड़े कार्यक्रम में अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर भारत के स्पष्ट रूख को रखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की परंपरागत नीतियों के इतर गैर-व्यापारिक मुद्दों पर भी व्यापार को बीच में ला रहे हैं। यह अटपटा है। वहीं सार्वजनिक तौर पर उनकी ओर से आ रहे बयान असलियत से अलग हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह समझना होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप का दुनिया के साथ, यहां तक कि अपने देश के साथ भी, व्यवहार करने का तरीका पारंपरिक तरीके से बिल्कुल अलग था। उदाहरण के लिए, व्यापार के लिए भी इस तरह से टैरिफ लगाना एक नया अनुभव है। गैर-व्यापारिक मुद्दों पर टैरिफ लगाना और भी असामान्य है। विदेश मंत्री ने अमेरिका के रूस के साथ तेल खरीद को लेकर भारत पर टैरिफ प्रतिबंध लगाए जाने के विषय को महज दिखावा बताया। उन्होंने कहा कि रूस से सबसे ज्यादा तेल चीन आयात कर रहा है और ऊर्जा सबसे ज्यादा यूरोप आयात कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता अब भी जारी है। दोनों पक्षों में से किसी ने भी नहीं कहा कि व्यापार वार्ता समाप्त हो गई। हालांकि हमारी कुछ रेड लाइन हैं और यह हमारे राष्ट्रीय हितों से जुड़ी हैं। भारत अपने किसानों और छोटे व्यापारियों के हितों से समझौता नहीं कर सकता। भारत रणनीतिक स्वायत्तता रखता है और हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। वहीं पाकिस्तान के विषय में भारत में एक राष्ट्रीय स्तर पर एकमत है कि हम पड़ोसी के साथ अपने संबंधों को लेकर हम किसी की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेंगे।

उत्तराखंड के थराली में बादल फटा, एक की मौत

80 घरों में 2 फीट तक मलबा भरा; दुकानें-बाजार भी तबाह, रेस्यू के लिए आर्मी पहुंची

देहरादून/जयपुर,एजेंसी। उत्तराखंड में चमोली जिले के थराली में शुक्रवार देर रात बादल फट गया। हादसा रात 1 से 2 बजे के बीच हुआ। आसपास के दो गांव सागवाड़ा और चेपड़ों में काफी नुकसान हुआ।

चमोली के DM संदीप तिवारी ने बताया कि थराली तहसील मुख्यालय के एक किलोमीटर के दायरे में कई जगहों पर तबाही मच गई क्योंकि स्थानीय नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया।

चेपड़ों गांव में एक व्यक्ति लापता है, जबकि सागवाड़ा में एक घर पर मलबा गिरने से एक लड़की दब गई थी। कुछ घंटो बाद उसका शव बरामद कर लिया गया। दोनों गांवों में मिलाकर कुल 70-80 घरों में करीब 2 फीट तक मलबा घुस गया।

थराली को जोड़ने वाला कर्णप्रयाग-ग्वालदम नेशनल हाईवे मिंग गधेरा के पास मलबा आने के कारण बंद हो गया है। उत्तराखंड में पिछले 18 दिनों में बादल फटने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 5 अगस्त को धराली में बादल फटा था, जिसमें 5 की मौत हुई और 100 से ज्यादा लापता हुए। उधर मौसम विभाग ने शनिवार को 19 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया। उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड में मध्यम बारिश होने की संभावना है

हिमाचल प्रदेश में 23 से 26 अगस्त तक भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से नेशनल हाईवे-305 समेत 347 सड़कें अभी भी बंद हैं। 20 जून से मानसून शुरू होने के बाद से अब तक 295 मौतें हो चुकी हैं।

सतीश गोलचा ने दिल्ली के 26वें पुलिस आयुक्त का प्रभार संभाला, सत रुख और निर्णायक नेतृत्व की पहचानं

दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को उनके सिविल लाइंस स्थित दफ्तर में जनसुनवाई के दौरान हमला होने के एक दिन बाद पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह को हटा दिया गया। उन्होंने अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिल्ली की कमान 21 दिन तक संभाली थी। गृह मंत्रालय के आदेश पर उनके स्थान पर भारतीय पुलिस सेवा(आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी सतीश गोलचा की तैनाती हुई है। शुक्रवार को उन्होंने दिल्ली पुलिस के 26वें आयुक्त का पद संभाल लिया।

अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्रशासित प्रदेश (एजीएमयूटी) कैडर के 1992 बैच के अधिकारी गोलचा सुबह 10 बजे जय सिंह रोड स्थित दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे और 10.30 बजे दिल्ली पुलिस मुख्यालय में प्रभार संभाला। इसके बाद उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इससे पहले एसबीके सिंह शुक्रवार सुबह नौ बजे पुलिस मुख्यालय पहुंचे और दिल्ली पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। बताते चलें कि गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को सतीश गोलचा की नियुक्ति का आदेश जारी किया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को उनके सिविल लाइंस स्थित दफ्तर में जनसुनवाई के दौरान हमला होने के एक दिन बाद गोलचा की पुलिस आयुक्त के पद पर नियुक्ति हुई।

हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह नियुक्ति हमले से संबंधित नहीं है। गोलचा का कार्यकाल अप्रैल 2027 तक है। उन्हें उनके सख्त रुख और 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान निर्णायक नेतृत्व के लिए जाना जाता है। उस समय वह कानून-व्यवस्था के विशेष पुलिस आयुक्त के तौर पर तैनात थे। गोलचा के पूर्ववर्ती एसबीके सिंह, 1988 बैच के अधिकारी हैं। वह संभवत- सबसे कम अवधि तक अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिल्ली पुलिस आयुक्त रहे। उन्होंने संजय अरोड़ा के सेवानिवृत्त होने के बाद एक अगस्त को पदभार संभाला था। आरोपी को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

4 साल बाद एजीएमयूटी कैडर के अफसर ने संभाली कमान : बहरहाल, चार साल बाद दिल्ली पुलिस का मुखिया अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम-केंद्रशासित प्रदेश कैडर का अफसर बनने जा रहा है। इससे पहले 27 जुलाई 2021 को बीएसएफ के डीजी रहे गुजरात कैडर के राकेश अस्थाना को, जबकि 1 अगस्त 2022 से आईटीबीपी के तत्कालीन डीजी और तमिलनाडु कैडर के संजय अरोड़ा को कमिश्नर बनाया गया था। मंगलवार को अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री के बीच और न्यूनतम 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। बुधवार को एक डिग्री की बढ़ोतरी के साथ अधिकतम तापमान है।

दिल्ली के कई इलाकों में झमाझम बारिश, एनसीआर में बूंदाबांदी शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शनिवार दोपहर को झमाझम बारिश से मौसम सुहाना हो गया। वहीं एनसीआर में भी बूंदाबांदी हो रही है। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में बारिश का यलो अलर्ट जारी है। बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली है। बारिश की वजह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

जानें 27 अगस्त तक कैसा रहेगा मौसम : मौसम विभाग के अनुसार, 23 अगस्त यानी आज आंधी के साथ मध्यम से तेज बारिश का अलर्ट है। वहीं यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 24 से 27 अगस्त तक हर दिन बारिश हल्की होने की संभावना है। 36 डिग्री के बीच और न्यूनतम 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, शनिवार को अधिकतम तापमान के नीचे गिरकर 30 से 32 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, रविवार और सोमवार को अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री के बीच और न्यूनतम 21 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

वोट चोरी पर ट्रोलिंग से परेशान हुईं गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम, बंद किया अपना एक्स अकाउंट

नोएडा, एजेंसी। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना निजी अकाउंट बंद कर दिया है। ट्रोलिंग से परेशान होकर उन्होंने यह कदम उठाया है। मेधा मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बेटी हैं। अहम है कि विपक्ष केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का लगातार आरोप लगा रहा है। वोट चोरी मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ उनके परिवार को भी सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है।

गौतमबुद्ध नगर की डीएम मेधा रूपम के निजी अकाउंट को भी हर पोस्ट में टैग किया जा रहा था। साथ ही उनके परिवार के सदस्यों के फोटो भी पोस्ट किए जा रहे थे। इससे परेशान होकर डीएम ने एक्स अकाउंट निष्क्रिय कर दिया है।इस संबंध में जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके परिवार को लेकर तरह-तरह की बातें और फोटो पोस्ट की जा रही थीं।इस कारण उन्होंने निजी अकाउंट फिलहाल बंद कर दिया है।

नवीन बाली गैंग के तीन बदमाश हथियार के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में एक बड़ी गैंगवार की साजिश को पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। बाहरी उत्तरी जिले की बवाना थाना पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए नवीन बाली गैंग से जुड़े तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद किए है। पुलिस का कहना है कि आरोपितों की योजना प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्य की हत्या कर बदला लेने की थी। बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी हरेश्वर स्वामी के अनुसार इलाके में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान थाना बवाना के हेड कांस्टेबल हरीश ने एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को ओयो होटल के बाहर देखा। पूछताछ में पता चला कि बाइक का मालिक पिछले तीन दिन से होटल में ठहरा हुआ है। शक होने पर होटल के कमरे की तलाशी ली गई, जहां तीन युवकों के पास से एक पिस्तौल, 11 जिंदा कारतूस और एक देशी कट्टा व 3 कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अंजार आलम (20), रितिक (20) और राजेश कुमार उर्फ सरदार (28) के रूप में हुई है। ये तीनों बीते कई दिनों से होटल में छिपे थे और इलाके में मोटरसाइकिल से कई बार रेकी कर चुके थे। पूछताछ में सामने आया कि रितिक को रेकी का काम सौंपा गया था। जबकि अंजार और राजेश को हत्या का अंजाम देना था। अभी तक की जांच में पता चला है कि गैंगस्टर हिमांशु भाऊ, जो फिलहाल विदेश में छिपा है, ने अंजार से संपर्क कर उसे 70 हजार रुपये की मदद भी भेजी थी। पुलिस ने अंजार की निशानदेही पर एक और पिस्तौल, दो मैगजीन और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए। साथ ही उनके मोबाइल फोन से आपराधिक बातचीत और वारदात की योजना से जुड़े चैट भी मिले हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, राजेश बवानिया और नवीन बाली गैंग के बीच चल रही ।

42 दिन बाद खुला कत्ल का राज: बेटे ने मां संग मिलकर की पिता की हत्या, फिर शव के साथ की शर्मनाक करतूत

फरीदाबाद, एजेंसी। प्रॉपर्टी डीलर हरबीर की हत्या उनके बेटे साहिल ने गेट न खोलने के चलते गुस्से में 11 जुलाई की रात को पीटकर की थी। बाद में साहिल ने अपनी मां संगीता को इस बारे में बताया तो महिला ने पुलिस व परिवार को सूचना देना जरूरी नहीं समझा। उल्टे उसने बेटे के साथ मिलकर शव को बोरे में बंदकर सूरजकुंड रोड पर पुलिया के नीचे फेंक दिया।

दोनों को चार दिन की रिमांड पर लिया : पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने जांच करते हुए हरबीर का शव बरामद किया। साहिल व संगीता को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों को चार दिन के रिमांड पर लेकर टीम पूछताछ कर रही है। पुरानी दुश्मनी में अब तक कई हत्याएं हो चुकी हैं। इन्हीं घटनाओं के बदले में यह नई साजिश रची गई थी।

पत्नी और बेटा करते थे परेशान : मामले में अजरौंदा निवासी कुलबीर ने बीपीटीपी थाना पुलिस को शिकायत दी। इसमें आरोप लगाया गया कि उसका भाई हरबीर अपने परिवार के साथ टेरा लवीनियम सोसाइटी सेक्टर 75 फरीदाबाद में रहता था। कुलबीर ने कहा कि उसके भाई को उसकी पत्नी, बेटा व पत्नी की बहन मानसिक रूप से परेशान करते थे। तीनों मिलकर अक्सर हरबीर के साथ मारपीट करते थे। इसके कारण वह उनसे अलग सेक्टर-7 में रहने लग गया था। प्रवक्ता ने कहा कि बिजली कटौती शाम 6-30 बजे शुरू हुई और अब इसे चरणबद्ध तरीके से बहाल किया जा रहा है। इसके लिए डिस्कॉम की टीमें तुरंत काम पर लग गईं। ट्रांसमिशन कंपनियों के साथ मिलकर वैकल्पिक स्रोतों से बिजली की व्यवस्था की जा रही है ताकि जल्द से जल्द आपूर्ति सामान्य हो सके।

11 जुलाई से बंद था फोन : 11 जुलाई से उसके भाई का मोबाइल बंद आ रहा था। 14 जुलाई को उसके भाई की पत्नी और बेटा उनके गांव अजरौंदा आए और परिवार को बताया कि हरबीर विदेश घूमने गए हैं। 27 जुलाई को दोनों फिर अजरौंदा आये तो परिवार ने उनसे हरबीर के बारे में पूछा लेकिन वे बहाना बना कर चले गए और मोबाइल भी स्विच ऑफ कर लिए। शिकायत पर बीपीटीपी थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

गेट न खोलने पर ले ली जान : अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए संगीता व साहिल को गिरफ्तार किया है। सूरजकुंड इलाके से शव भी बरामद कर लिया गया है। आरोपी मां-बेटे से पूछताछ में पता चला कि 11 जुलाई को साहिल रात को देर से घर लौटा तो हरबीर ने गेट नहीं खोला। फिर साहिल साइड वाले मकान से घर के अंदर घुसा और अपने पिता हरबीर के साथ मारपीट की। इससे हरबीर की मृत्यु हो गई। जब संगीता घर आई तो देखा पति मरा हुआ था। बाद में दोनों ने शव को सूरजकुंड रोड पर सिद्धार्थ आश्रम से आगे पुलिया के नीचे फेंक दिया।

रिश्तेदार की सूनी गोद भरने के लिए दिल्ली से बच्चे का अपहरण, 18 घंटे बाद आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

दिल्ली, एजेंसी। आनंद पर्वत इलाके में अपने रिश्तेदार की सुनी गोद भरने के लिए जितेंद्र कुमार (32) नाम का युवक अपहरणकर्ता बन गया। उसने एक महिला के तीन माह के बच्चे को अगवा कर लिया। आरोपी ने महिला को बहाने से बच्चे का कपड़ा खरीदने के लिए दुकान में भेज दिया और मासूम को लेकर भाग गया। पुलिस ने आरोपी युवक को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। उसके कब्जे से बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि 19 अगस्त को चेन्नई की रहने वाली एक महिला आनंद पर्वत थाने में अपने तीन माह के बच्चे के अगवा होने की शिकायत की। उसने बताया कि वह दिल्ली के आनंद पर्वत में रहने वाले एक रिश्तेदार से मिलने के लिए ट्रेन से आई थी। यात्रा के दौरान आरोपी जितेंद्र कुमार जो उसी कोच में सफर कर रहा था।

बातचीत के दौरान आरोपी ने महिला को रिश्तेदार के घर चलने के लिए कहा। रास्ते में वह एक कपड़े की दुकान पर रुका। उसने महिला को 150 रुपये दिए और बच्चे के लिए ड्रेस खरीदने के लिए कहा। उसने महिला से उसके बच्चे को अपने गोद में ले लिया और उसे दुकान में भेज दिया। जब महिला दुकान से बाहर आई तो आरोपी बच्चे समेत गायब था। आनंद पर्वत थाना पुलिस ने आरोपी की पहचान के लिए एआई आधारित फेशियल रिकग्निशन सिस्टम का इस्तेमाल किया। इसकी मदद से पुलिस ने घटना के 18 घंटे बाद राजस्थान के खेतड़ी स्थित उसके पैतृक गांव से उसे पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके एक रिश्तेदार का कोई बच्चा नहीं है। उसने रिश्तेदार को बच्चा बेचने के लिए मासूम को अगवा किया था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर आगे की जांच कर रही है।

ईरान के हमले पर रिपोर्ट से नाराज थे ट्रंप, रक्षा मंत्री ने खुफिया अफसर जेफरी को बर्खास्त किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस को बर्खास्त कर दिया है। क्योंकि उनकी एजेंसी के अमेरिकी हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान के शुरुआती खुफिया आकलन से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज थे। पीट हेगसेथ के इस फैसले से परिचित दो लोगों ने इस संबंध में जानकारी दी।

हेगसेथ द्वारा बर्खास्त करने के बाद अब क्रूस अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख नहीं रहेंगे। दोनों लोगों ने यह जानकारी नाम न छापने की शर्त पर दी, क्योंकि उन्हें इस बारे में सार्वजनिक रूप से बोलने का अधिकार नहीं था। क्रूस की ओर से ईरान पर परमाणु हमलों के बाद कहा गया था कि तेहरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कह रहे थे कि हमलों से ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से तबाह हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि क्रूस अब अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी (डीआईए) के निदेशक के तौर पर काम नहीं कर सकेंगे। डीआईए के निदेशक बनने से पहले क्रूस राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के सैन्य मामलों के सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के खिलाफ गठबंधन के लिए खुफिया निदेशक, अमेरिकी यूरोपीय कमान के प्रमुख के वरिष्ठ विशेष सलाहकार जैसे पदों पर भी काम किया है।

कई अधिकारी किए गए बर्खास्त : डीआईए की रिपोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावों पर सवाल खड़े किए थे। इसे लेकर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि रिपोर्ट जानबूझकर लीक की गई थी, ताकि यह दिखाया जा सके कि हमला सफल नहीं हुआ है।

भारत संग बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी की ट्रंप को लताड़, आईना दिखाकर दी नसीहत

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है। भारत और अमेरिका के संबंधों में तनाव बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

केरी ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच टकराव सही नहीं है। हम इससे चिंतित हैं। बड़े राष्ट्र हमेशा लोगों को अल्टीमेटम देकर महानता प्रदर्शित नहीं करते हैं। बल्कि कूटनीतिक प्रयासों के जरिये काम करते हैं। ताकि आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि ओबामा शासन के दौरान बातचीत सहयोग और सम्मान के साथ होती थी। लेकिन अब कुछ ज्यादा ही आदेश, दबाव और धक्का-मुक्की हो रही है।

केरी ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भारत और अमेरिका मिलकर व्यापार विवाद सुलझा लेंगे। भारत ने स्पष्ट रूप से बेहतर पेशकश की है। पीएम मोदी और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल हमारे मित्र हैं। भारत ने कई अमेरिकी आयातों पर शून्य पेशकश की है, यह एक बड़ा बदलाव है।

ये अधिकारी भी जता चुके चिंता : इससे पहले व्हाइट हाउस के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जॉन बोल्टन ने कहा था कि ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर टैरिफ लगाए, लेकिन चीन पर नहीं लगाए जो रूस से काफी ज्यादा तेल खरीदता है, तो इससे भारत को शायद चीन-रूस के गठबंधन की ओर धकेल दिया गया। ट्रंप प्रशासन की यह रणनीतिक चूक अनावश्यक गलती है। अमेरिकी विदेश नीति विशेषज्ञ और पूर्व अमेरिकी व्यापार अधिकारी क्रिस्टोफर पैडिला ने भी चेतावनी दी थी

को दिल्ली क्राइम ब्रांच ने गोवा में दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ठगी के मामले में 10 साल से फरार चल रहे आरोपित को गोवा से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान खजूरी खास निवासी ज्ञानेश्वर कौशिक उर्फ ज्ञान (38) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित देशभर में करीब 20 ठगी के मामलों में वांछित है और कोर्ट द्वारा उसे भगोड़ा अपराधी घोषित किया जा चुका है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया कि जांच में सामने आया है कि आरोपित ने शुरुआत टेली कॉलर के रूप में बीमा बेचने से की थी। इसके बाद उसने निवेश योजनाओं के नाम पर लोगों से पैसे ठगने का सिलसिला शुरू किया। उसने अपनी एक कंपनी भी बनाई थी। इसके जरिए वह लोगों को जाल में फंसाकर उनसे मोटी रकम ऐंठता था। द्वारका इलाके में एक महिला को निवेश के नाम पर लाखों का चूना लगाने के बाद फरार हो गया था। इस संबंध में क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि आरोपित गोवा में नकली पहचान पर रह रहा है। सूचना को पुख्ता कर इंस्पेक्टर अक्षय गहलौत के नेतृत्व में टीम गोवा पहुंची और लगातार दो दिनों तक सर्च ऑपरेशन चलाया। 19 अगस्त को आरोपित को उत्तर गोवा के पोर्वोरिम इलाके से गिरफ्तार किया गया। यहां वह अनिल जायसवाल नाम से रह रहा था, ताकि पुलिस की गिरफ्त से बच सके। पुलिस के अनुसार, आरोपित के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, तेलंगाना, महाराष्ट्र, उप्र और चंडीगढ़ सहित कई राज्यों में ठगी के मामले दर्ज हैं। दिल्ली में उसके खिलाफ द्वारका नॉर्थ और पश्चिम विहार थाने में मुकदमा दर्ज हैं। वर्ष 2016 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था, लेकिन बाद में जमानत मिलने पर वह दोबारा फरार हो गया। डीसीपी ने बताया कि आरोपित पिछले 10 साल से गिरफ्तारी से बचने के लिए जगह-जगह ठिकाना बदल रहा था। कोर्ट ने 2023 में उसे भगोड़ा घोषित किया था। आरोपित से पूछताछ की जा रही है और जिन राज्यों में उसके खिलाफ केस दर्ज हैं, वहां की पुलिस को भी सूचना दी जा रही है।

लूटपाट के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले के रंजीत नगर इलाके में शुक्रवार रात ऑटो चालक से हुई लूट का पुलिस ने महज 15 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपित को नेपाल भागने से पहले आनंद विहार आईएसबीटी से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपित की पहचान शादीपुर निवासी राजेंद्र जोशी उर्फ राजू उर्फ नेपाली (28) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से लूटा गया मोबाइल फोन, 2,200 नकद और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया। मध्य जिले के डीसीपी निधिन वलसन के अनुसार शुक्रवार देर रात ऑटो चालक गणेश मेहता यात्रियों को छोड़कर लौट रहा था। इसी दौरान पिलर नंबर 217, देव पैलेस होटल, मेन पटेल रोड के पास एक युवक ने उसे रोककर जीबी रोड चलने को कहा। रास्ते में आरोपित ने अचानक गणेश की जेब से मोबाइल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर उसने चाकू से ऑटो चालक की जांघ पर वार कर दिया और उसका मोबाइल व रुपये छीनकर फरार हो गया। आरोपित के जाने के बाद पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कोतुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

ट्रंप बोले- अपराध पर नकेल कसने का अगला मिशन शिकागो में..; शहर के अफसरों ने दिखाए बागी तेवर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शिकागो को लेकर बड़ा बयान दिया। जहां ट्रंप ने शिकागो को अपना अगाला मिशन बताते हुए कहा कि शिकागो उनका अगला मिशन होगा, जहां वे अपराध, बेघरी और अवैध प्रवास को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि जिस तरह वॉशिंगटन डीसी में उन्होंने 2,000 सैनिक तैनात किए हैं, वैसी ही सख्ती शिकागो में भी की जाएगी। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि मुझे लगता है, शिकागो अगला होगा। उन्होंने आगे जोड़ा कि फिर हम न्यूयॉर्क में भी मदद करेंगे। ट्रंप के इस बयान के साथ ही पेंटागन ने वॉशिंगटन में तैनात सैनिकों को हथियार लेकर चलने के आदेश दिए हैं, हालांकि इस किसी भ सीधी धमकी की पुष्टि नहीं हुई है।

डेमोक्रेट शासित शहरों पर निशाना : बता दें कि ट्रंप ने बार-बार अमेरिका के बड़े शहरों को जो आमतौर पर डेमोक्रेट पार्टी द्वारा शासित होते हैं और जहां काले मेयर और अल्पसंख्यक आबादी अधिक होती है उसे गंदा और खतरनाक÷ बताया है। शुक्रवार को भी उन्होंने शिकागो को एक गड़बड़ शहर बताते हुए कहा कि वहां के लोग हमें बुला रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वे कह रहे हैं कृपया राष्ट्रपति ट्रंप, शिकागो आइए। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वहां की अफ्रीकी-अमेरिकी महिलाएं, जिनकी उन्होंने प्रशंसा की, उनसे अपील कर रही हैं कि वे वहां आएं और स्थिति को ठीक करें। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप वॉज राइट अबाउट एवरीथिंग वाली लाल टोपी पहने ट्रंप ने कहा कि लोग शिकागो में ऐसी ही लाल टोपी पहन रहे हैं।

ट्रंप के बयान पर शिकागो के नेताओं की तीखी प्रतिक्रियाएं : वहीं ट्रंप के इस बयान पर शिकागो के कई नेताओं ने आपत्ति जताई और आलोचना भी की। इस दौरान शिकागो के मेयर ब्रैंडन जॉनसन ने ट्रंप की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हमारी टीम को ट्रंप प्रशासन से किसी भी सैन्य तैनाती को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो यह गैरकानूनी और खतरनाक होगा। जॉनसन ने आगे कहा कि ट्रंप का यह कदम अव्यवस्थित, अनुचित और अस्थिर है और इससे समुदाय और पुलिस के बीच तनाव बढ़ेगा। शिकागो के मेयर ने सुझाव दिया कि अगर ट्रंप वाकई मदद करना चाहते हैं, तो उन्हें शहर से काटे गए .158 मिलियन के फंड को बहाल करना चाहिए, जो हिंसा-निरोधक कार्यक्रमों के लिए था। इसके साथ ही सीनेटर डिक डर्बिन ने भी ट्रंप की योजना को राजनीतिक नाटक बताया और कहा कि शिकागो एक सांस्कृतिक और विविधता भरा खूबसूरत शहर है।

सीनेटर टैमी डकवर्थ ट्रंप पर लगाए आरोप : इसके साथ ही नेशनल गार्ड की पूर्व अमेरिकी सैनिक सीनेटर टैमी डकवर्थ ट्रंप पर सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी शहरों में सेना भेजना लोगों को डराने जैसा है। डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इलिनॉय की अध्यक्ष लिसा हर्नांडेज ने ट्रंप के बयानों को झूठा और अपमानजनक करार दिया और कहा कि यह शहरी अपराध को लेकर पुरानी नस्लवादी सोच को दोहराता है।

क्या कहते है शिकागो पुलिस के आंकड़े : वहीं बात ट्रंप के बयान और शिकागो पुलिस के आंकड़ों की करें तो पुलिक से आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में शहर में हिंसक अपराधों में 22प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि हत्याओं और गोलीबारी की घटनाओं में 30प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है, जो पिछले दस वर्षों में सबसे तेज गिरावट मानी जा रही है।

ट्रंप का शिकागो को लेकर रुख : गौरतलब है कि ट्रंप का शिकागो को लेकर रुख लंबे समय से नकारात्मक रहा है। 2017 में उन्होंने कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो फेडरल फोर्स भेज दूंगा। उन्होंने कई बार शिकागो की तुलना अफगानिस्तान से की है। इसके साथ ही 2016 व 2024 के लगातार निशाना बनाया है।

खाद संकट से जूझ रहा किसान, आधार कार्ड सिस्टम ने बढ़ाई अव्यवस्था; चाहे 5 एकड़ जमीन हो या 50 नहीं मिल रही पर्याप्त खाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में इस समय सबसे बड़ा संकट किसानों के लिए खाद का बन गया है। खरीफ और रबी सीजन में जिस खाद पर किसानों की फसल निर्भर रहती है, वही अब सोसाइटी और गोदामों में टुकड़ों में बंट रही है। स्थिति यह है कि एक किसान को अब एक आधार कार्ड पर सिर्फ 5 से 6 किलो खाद ही मिल पा रही है। नतीजतन, खेत में बोआई और तैयार फसल के लिए खाद की कमी से किसान बेहद परेशान हैं।

बिगड़ गया खाद बंटवारे का सिस्टम: पहले के समय में किसानों को उनकी जमीन के दस्तावेज और ऋण पुस्तिका देखकर सोसाइटी से खाद का वितरण किया जाता था। तब यह व्यवस्था अपेक्षाकृत पारदर्शी और किसान हितैषी मानी जाती थी। लेकिन अब आधार कार्ड आधारित नई व्यवस्था ने पूरे सिस्टम को उलझा दिया है। गोदामों और सोसाइटियों के बाहर लंबी-लंबी लाइनें लग रही हैं, जहां किसान घंटों खड़े होकर सिर्फ कुछ किलो खाद लेकर घर लौटने को मजबूर हैं।

बढ़ी कालाबाजारी: खाद वितरण की नई पद्धति ने कालाबाजारी को और बढ़ावा दिया है। बताया जाता है कि गोदामों में खाद की आपूर्ति पूरी मात्रा में आने के बावजूद आम किसानों तक वह नहीं पहुंच पा रही। कई जगहों से शिकायतें मिल रही हैं कि खाद को गोपनीय तरीके से कालाबाजारियों तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे वे मनमाने दामों पर इसे बेच रहे हैं। आधार कार्ड पर सीमित मात्रा में खाद मिलने से मजबूर किसान बाजार में ऊंचे दाम देकर खरीदने को मजबूर हैं।

व्यापारियों तक भी नहीं पहुंच रही खाद: खाद की इस अनियमित आपूर्ति का असर सिर्फ किसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि खाद बेचने वाले अधिकृत व्यापारियों पर भी पड़ा है। कई व्यापारियों का कहना है कि गोदाम से उन्हें पर्याप्त मात्रा में खाद ही नहीं मिल रही, जिसके कारण वे किसानों की मांग पूरी नहीं कर पा रहे। इससे खाद की उपलब्धता बाजार में और घट रही है।

राजनीतिक रसूख में बंट रहा है खाद: खाद वितरण में राजनीति और रसूखदारी की भूमिका भी अब खुलकर सामने आने लगी है। किसानों का आरोप है कि खाद का बड़ा हिस्सा उन लोगों तक पहुंच रहा है जिनके पास राजनीतिक पकड़ है या जो प्रभावशाली लोग हैं। आम और छोटे किसान लाइन में खड़े होकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उन्हें पूरी जरूरत के हिसाब से खाद नहीं मिल पा रही।

किसानों की बढ़ी चिंता: खेती के इस सीजन में खाद की कमी किसानों के लिए सबसे बड़ा संकट बन गई है। छोटे किसान, जिनकी पूरी जीविका खेती पर निर्भर है, वे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कई किसानों का कहना है कि अगर समय पर पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हुई तो फसल उत्पादन पर सीधा असर पड़ेगा। ऐसे में न सिर्फ किसानों को आर्थिक नुकसान होगा, बल्कि बाजार में अनाज और सब्जियों की उपलब्धता भी प्रभावित हो सकती है।

समाधान की मांग: रीवा जिले के किसान प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि खाद वितरण की पुरानी प्रणाली को फिर से लागू किया जाए, जिसमें जमीन और ऋण पुस्तिका के आधार पर जरूरत के हिसाब से खाद उपलब्ध कराई जाती थी। साथ ही गोदामों और सोसाइटियों में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की जरूरत बताई जा रही है, ताकि खाद की कालाबाजारी और रसूखदारी पर अंकुश लग सके।

खाद संकट ने रीवा जिले के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आधार कार्ड आधारित वितरण प्रणाली ने जहां एक ओर कालाबाजारी और अफरा-तफरी को जन्म दिया है, वहीं किसानों की मेहनत और उनकी फसल पर भी सीधा खतरा मंडराने लगा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले दिनों में यह संकट और गहराने की आशंका है।

राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में उर्वरक वितरण केन्द्रों का किया गया औचक निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में यूरिया खाद की कमी को देखते हुये कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार दिनांक 23.08.2025 को अपर कलेक्टर बी पी पाण्डेय के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा मध्यप्रदेश राज्य विपणन संघ मर्या. डबल लॉक केन्द्र सीधी, डबल लॉक केन्द्र हड़बडो एवं निजी थोक उर्वरक विक्रेता भैयालाल बिहारीलाल, पुराना बस स्टैण्ड के सामने सीधी के विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रतिष्ठानों द्वारा यूरिया खाद के भण्डारण एवं वितरण संबंधी दस्तावेजो की सघन जॉच की गई एवं सभी विक्रेताओं को खाद की कालाबाजारी, मूल्य से अधिक दर पर विक्रय करने पर सख्त कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई।

निरीक्षण के दौरान टीम में अपर कलेक्टर सहित राजस्व विभाग से एस.डी.एम. गोपदबनास राकेश शुक्ला, तहसीलदार गोपदबनास राकेश शुक्ला एवं कृषि विभाग से उप संचालक कृषि डॉ. राजेश सिंह चौहान, अनुविभागीय कृषि अधिकारी सीधी पी.एल. कुशवाहा एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकास खण्ड सीधी विवेक कुमार दुबे उपस्थित रहे।

इसी प्रकार जिले के अन्य विकासखंडों में उपखण्ड अधिकारियों के नेतृत्व में खाद दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।

ब्यौहारी में कुएं में डूबकर किसान की मौत पानी खींचते समय पैर फिसला, 1 घंटे की मशक्कत के बाद निकाला शव

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी क्षेत्र के झिरिया में एक हादसा सामने आया। 56 वर्षीय किसान छोटेलाल सिंह गोंड की कुएं में डूबने से मौत हो गई। वह अपने घर की बाड़ी में बने कुएं से पानी भर रहे थे। इस दौरान उनका पैर फिसल गया और वह कुएं में गिर गए।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस और ग्रामीणों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद छोटेलाल को कुएं से बाहर निकाला। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। छोटेलाल एक मेहनती किसान थे। उनकी मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। पुलिस के अनुसार, जब छोटेलाल कुएं में गिरे तो परिजनों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

बच्चों को वैज्ञानिक सोच अपनाने प्रोत्साहित किया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के दिशा निर्देशों एवं राजेश लखानी आईएएस आयुक्त के आदेशानुसार तथा नवोदय विद्यालय समिति भोपाल संभाग के उपायुक्त आरके वर्मा, सहायक आयुक्त लेखराज मीणा, सहायक आयुक्त डी के सिंह एवं सहायक आयुक्त एवं संकुल प्रभारी दीक्षा ज्योति मिश्रा के निर्देशन में प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी द्वारा 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय परिसर में विज्ञान एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को जागरूक एवं प्रेरित करने हेतु विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) ए.पी. मिश्रा, विभागाध्यक्ष (फिजिक्स) अधिष्ठाता विज्ञान संकाय अवधेश प्रताप सिंह ए.पी.एस.विश्वविद्यालय रीवा (म. प्र.) और विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार तिवारी, शासकीय उच्च माध्यमिक कन्या विद्यालय, चुरहट सीधी (म. प्र.) के गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी द्वारा स्वागत भाषण के माध्यम से राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों को वैज्ञानिक सोच अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया। कक्षा 9वीं के छात्र रितिक ने चंद्रयान मिशन पर एक प्रभावशाली भाषण दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. ए.पी. मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की गौरवशाली यात्रा की चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे इसरो (ैप्ेव) ने सीमित संसाधनों के बावजूद विश्व के पटल पर अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने चंद्रयान-3 की सफ्लता पर चर्चा की, जिसमें भारत पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफ्ल लैंडिंग करने वाला पहला देश बना। साथ ही, उन्होंने भारत के आगामी अंतरिक्ष अभियानों जैसे कि आदित्य एल-1 मिशन, जो सूर्य के अध्ययन हेतु है, और गगनयान मिशन, जिसमें भारत पहली बार मानव को अंतरिक्ष में भेजेगा कृ इन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान में करियर बनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि पुरानी असफ्लताओं से सीख लेते हुए और कड़ी मेहनत से ही किसी भी जीत को प्राप्त किया जा सकता है।

सरकारी इंजीनियर के घर रेड में 100 करोड़ की कमाई का खुलासा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पटना में ग्रामीण कार्य विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर विनोद कुमार राय के घर आर्थिक अपराध इकाई की छापेमारी में करीब 100 करोड़ रुपये की संपत्ति का खुलासा हुआ। रेड में 39-52 लाख रुपये नकद, 20 लाख के जले हुए नोट, 26 लाख के सोने-चांदी के जेवरात, 6 लाख की लग्जरी घड़ियां, 18 जमीन के डीड, 15 बैंक खाते और अन्य निवेश दस्तावेज बरामद हुए। विनोद राय की पत्नी ने 2-3 करोड़ रुपये जलाकर सबूत मिटाने की कोशिश की, जिससे नाले जाम हो गए। श्वह्र ने विनोद और उनकी पत्नी को गिरफ्तार किया, और भ्रष्टाचार व मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू हो सकती है।

शहर में गंदगी फैलाने वालो के साथ अमानक स्पॉलीथीन रखने पर त्वरित करे कार्यवाही : आयुक्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आयुक्त महोदय के आदेशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी अरविन्द प्रताप सिंह की शहर में गंदगी फैलाने वाले और शासन द्वारा बैन अमानक स्तर की पॉलीथीन रखने वाले दुकानदारों पर त्वरित स्पॉट फाइन की व्यापक कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में आज 23 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी/कर्मचारी दल बल के साथ शहर में कार्यवाही करने पहुंचे। कई दुकानों में अनियमितता पाए जाने पर स्पॉट फाइन करते हुए कुल 8500 रुपए की राशि वसूल की गई।

साथ ही सभी दुकानदारों को हिदायत दी गई कि आज और अभी से अमानक स्तर की पॉलीथीन को त्याग दें एवं कचरा को निर्धारित स्थान में रखते हुए कचरा गाड़ी को ही देना सुनिश्चित करें,अन्यथा की स्थिति में आप स्वयं जिम्मेदार होंगे। इस कार्यवाही में स्वच्छता अधिकारी अरविन्द प्रताप सिंह, स्वच्छता निरीक्षक रामकिशोर मिश्रा, दरोगा हरभजन, अनूप के साथ बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

धनपुरी में अवैध रेत खनन को पकड़ा

स्थानीय लोगों की शिकायत पर दो ट्रैक्टर जब्त, 4 पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। रेत का अवैध खनन जारी है। धनपुरी पुलिस ने स्थानीय लोगों की शिकायत पर गरफंदिया के झुरिया नाला से रेत का अवैध उत्खनन कर रहे दो ट्रैक्टरों को पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। चालकों को भागने का मौका नहीं मिला। पुलिस ने वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन चालक कोई कागजात नहीं दिखा सके। इसके बाद दोनों वाहनों को थाने में जब्त कर लिया गया।

पूछताछ में पहले ट्रैक्टर के चालक भुलऊ बैगा ने बताया कि वह अनूपपुर जिले के पटना गांव का रहने वाला है। वह वाहन मालिक धनंजय सिंह के कहने पर रेत लेने आया था। दूसरे ट्रैक्टर के चालक दादू बैगा ने बताया कि वह भी पटना गांव का रहने वाला है। उसे वाहन मालिक अरुणेंद्र सिंह ने रेत लेने भेजा था।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस की मिलीभगत से धनपुरी में रेत का अवैध कारोबार चल रहा था। उन्होंने जब बड़े अधिकारियों से शिकायत की, तब जाकर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों चालकों और वाहन मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

शहडोल में विस्थापित परिवारों को सुविधाएं नहीं

जमुनी गांव में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने सीईओ को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी स्थित जमुनी गांव में विस्थापित परिवारों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इस मुद्दे पर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने शनिवार को सीईओ को ज्ञापन सौंपा। पार्टी के सदस्य अजय सिंह ने कहा कि विस्थापित परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इससे उनकी जीवन स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर पहले भी कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है। लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई।

आंदोलन की चेतावनी: स्थानीय निवासी कमल कोल ने बताया कि उनके पास रोजी-रोटी का कोई साधन नहीं है। सड़क न होने से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ भी नहीं मिल पा रहा है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने विस्थापित परिवारों के लिए तत्काल सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे।

इस मामले को लेकर प्रशासन गंभीर: सीईओ कल्पना यादव ने कहा कि वे इस मुद्दे को गंभीरता से ले रहे हैं। जल्द ही स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। विस्थापित परिवारों की समस्याएं सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तर पर प्रभाव डाल रही हैं। अब लोग अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने लगे हैं।

सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिंधू सभा द्वारा 24 अगस्त रविवार को अखंड भारत सिन्ध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन सिन्धी कॉलोनी स्थित माधव गुणवंती हाल में शाम 5 बजे से मुख्यअतिथि महेश ठारवानी [प्रदेश महामंत्री] विशिष्ट अतिथि लालचंद लालवानी जी [प्रदेश उपाध्यक्ष] सतीश सुखेजा [प्रदेश उपाध्यक्ष] विक्रम चौधरी [संभाग प्रभारी] एवं गोपी गेलानी [पार्षद] मनीष टेकवानी जी [पार्षद] के विशेष अतिथि एवं संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया है

संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया इस अवसर पर अखिल भारतीय सिन्धु संत समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी खिम्यादास जी को सिंधु रत्न से विभूषित किया जाएगा एवं श्रीचंद मनवानी व डॉक्टर लक्ष्मी मोहनानी को श्रेष्ठ सामाजिक व्यक्तित्व सम्मान संजय वाधवानी को सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता सम्मान के साथ साथ होलाराम वाधवानी चंद्रलाल मोटवानी जयरामदास थदानी किशनचंद वाधवानी रामचंद पंजवानी चंपा देवी रोचलानी गुणवंती देवी पुरस्वानी राधाबाई वाधवानी भारती देवी मनवाणी मीना देवी डुलानी को वरिष्ठ नागरिक सम्मान देकर सम्मानित किया जाएगा

संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी श्रीचंद मनवाणी सतीश सुखेजा विक्रम चौधरी गोपीचंद कापड़ी विजय जगयासी देवेंद्र सत्यवानी अध्यक्ष अशोक चांदवानी अशोक आहूजा विनोद गेलानी रंजीत सेनानी संजय आहूजा इंद्रलाल कापड़ी किशोर वलेचा शंकर सेनानी बन्नू बसंत खत्री नारायणदास गुलाबी मनीष सदानी ज्ञान खटवानी मनीष टेकवानी कालू पुरस्वानी सुरेश बाशानी राखी होतचंदानी सिमरन होतचंदानी रेशमा दुसेजा बबीता गंगवानी कशिश नागदेव बाबन सुखेजा जैकी छाबड़िया ने संस्था के सभी सम्मानिय सदस्यों एवं समाज के सभी सम्मानीयगणों से कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड सिहावल में एकदिवसीय प्रस्फुटन समितियों एवं नवांकुर सखी प्रेरकों का माटी गणेश सिध्द गणेश प्रशिक्षण सह कार्यशाला संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियो के सक्रियकरण एवं पर्यावरण संरक्षण एवं शुद्धता को लेकर माटी गणेश सिध्द गणेश की कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में शिवदत्त उर्मलिया जिला समन्वयक, अनिल कुमार पाठक ब्लाक समन्वयक सिहावल उपस्थित हुए।

कार्यशाला में कृष्ण कुमार मिश्रा द्वारा प्रस्फुटन समितियो के दस्तावेजीकरण के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। विकासखंड समन्वयक अनिल कुमार पाठक द्वारा आज के परिदृश्य में जिस प्रकार स्वदेशी वस्तुओं को संग्रहण कर उन्हें प्रचार प्रसारित करने तथा पर्यावरण के संरक्षण एवं शुद्धता के लिए माटी गणेश घर-घर बने, शासन की योजना हर घर स्वच्छता को बढ़ावा देते हुए, पैधरोपण अभियान के अंतर्गत लगने वाले पौधों को पेड़ बनाने का संकल्प हम सभी लें और समय-समय पर उन्हें देखभाल करने का कार्य करें। हमने नवाचार करके और परंपरागत जो स्वरोजगार चलाए जा रहे थे उन्हें समाज में नवाचार कर स्टार्टअप के माध्यम से फ्रि से आगे बढ़ना चाहिए। राजकुमार पटेल श्रीअवध सद्भावना समिति सिहावल द्वारा बताया गया कि जिस प्रकार घर-घर विराजित होने वाले गणेश जी की मूर्ति को गांव में ही कृत्रिम पोखर बनाकर विधि विधान से विसर्जन होना चाहिए, ताकि तालाब एवं नदियों की स्वच्छता बनी रहे और पर्यावरण संरक्षण एवं शुद्ध हो सके। जन अभियान परिषद की विस्तृत जानकारी पूर्व सरपंच द्वारा दी गई। कार्यक्रम की रूपरेखा सुनील द्विवेदी ने बनाया। इसके पश्चात माटी के गणेश की कार्यशाला में सोनू सिंह ने गणेश जी बनाना सिखाया एवं उनके साथ अन्नू सिंह, सुलोचना सिंह, उर्मिला सिंह, शांति सिंह सहित अन्य नवांकुर सखियों ने योगदान दिया। तत्पश्चात ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की कार्य योजना एवं नवांकुर सखी कार्यक्रम को लेकर जानकारी प्रेरक ने दी।

जन अभियान द्वारा चलाई जाने वाले अभियानों के बारे में मुख्य अतिथि शिवदत्त उर्मलिया ने विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। इस दौरान चयनित प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष एवं सचिव सदस्य गण उपस्थित हुए। कार्यशाला का संचालन कृष्ण कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। आभार संतोष द्विवेदी ने किया। सभी ने संकल्प लेते हुए समवेत स्वर में कहा कि पर्यावरण के साथ परंपराओं का भी संरक्षण किया जावेगा एवं माटी गणेश सिद्ध गणेश अभियान से घर-घर विराजेंगे मिट्टी के गजानन।

संसद का हाल- लोकसभा में सिर्फ 31 % और राज्यसभा में 39 % कामकाज, सत्ता-विपक्ष के शोर में जनता के सवाल फिर दब गए

संसद कानून और नीति निर्माण करने वाली देश की सर्वोच्च संस्था है, जो जनता का प्रतिनिधित्व करती है। देश की दिशा एवं दशा तय करने में इसकी अहम भूमिका होती है। यह सरकार के कामकाज की निगरानी करने और राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा कर समाधान तलाशने का विशिष्ट मंच है। इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है, जहां जनता की संप्रभुता को अभिव्यक्ति मिलती है। जन प्रतिनिधियों से उम्मीद की जाती है कि वे आम लोगों से जुड़े मसलों को संसद में उठाकर नीति निर्माण में उनकी भूमिका सुनिश्चित करेंगे।

मगर, संसद के मानसून सत्र के कामकाज पर गौर करें तो इन उम्मीदों पर सियासत के बादल मंडराते नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जन प्रतिनिधियों के लिए दलगत राजनीति जन सरोकार से ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। संसद के अंदर और बाहर सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के शोरगुल में असल मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे न केवल संसद का बहुमूल्य समय यों ही जाया हो जाता है, बल्कि सार्वजनिक धन की भी बर्बादी होती है।

संपादकीय

दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में महज 31 फीसद और राज्यसभा में 39 फीसद कामकाज हुआ। सत्र के दौरान कामकाज के लिए 120 घंटे उपलब्ध थे, मगर इस दौरान लोकसभा में केवल 37 घंटे और राज्यसभा में 41 घंटे 15 मिनट कामकाज हो पाया। दोनों सदनों में कुल 15 विधेयक पारित किए गए और तीन विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति के पास विचार के लिए भेजा गया। सत्र के दौरान 'आपरेशन सिंदूर' को लेकर दोनों सदनों में विशेष चर्चा हुई, जिसकी मांग विपक्ष ने उठाई थी। मगर, बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का मुद्दा दोनों सदनों में हंगामे और गतिरोध की प्रमुख वजह बना रहा। सत्तापक्ष का तर्क था कि मामला न्यायालय में विचाराधीन है और इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। सवाल है कि क्या सदन में हंगामे से कुछ हासिल हो पाया? इसके विपरीत इस वजह से दोनों सदनों में एक भी दिन प्रश्नकाल एवं शून्यकाल सामान्य तरीके से नहीं चल पाया और सत्र के दौरान गैर सरकारी कामकाज भी नहीं हो सका। यानी, मानसून सत्र के कामकाज की सूची में शामिल जन सरोकार से जुड़े कई मुद्दे बिना चर्चा और जवाब के ही रह गए। इसमें दोराय नहीं कि संसद सत्र नियमित रूप से चलाने का दायित्व सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों का है। लोकतंत्र में किसी भी मुद्दे पर विरोध दर्ज करना विपक्ष की भूमिका का एक हिस्सा है और सत्तापक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह विपक्ष की आपत्तियों का निराकरण करे।

गणेश जी का चालान

मृदुला श्रीवास्तव

'मुम्बई की अंधेरी वेस्ट की सडक़ पर गणेश-विसर्जन के अवसर पर लोग नाच-गा रहे हैं। 'आयो रे-आयो रे, म्हारो गणेश जी आयो रे।ज्गणपति बाप्पा मोरया।ज्अगले बरस तू जल्दी आ।' 'कह दिया न कि अब नहीं आऊंगा, धरती पर तुम्हारी।' गणेश जी रुआंसे होकर उस दिन कुछ ऐसा ही कह रहे थे। चालान का नोटिस तभी नारद जी ने पकड़ाया। गणेश जी का वाहन घोड़ा सरीखा हिनहिनाया। मूषक जी कुछ रुके। गणेश जी कुछ सहमे। 'क्या हुआ मेरी गाड़ी को? आगे न बढ़तीज्बढ़ भैया मूषक मेरे। एक्सयूवी थ्रीओओ मेरे लेटेस्ट मॉडल।' मूषक ने गर्दन मारी। 'पहले नोटिस पढ़ो। मुझे पता था यही होगा। तुम्हें जाना है जेल, तो जाओ। पर मुझे न तरसाओ।ज्कितनी बार कहा था आगे की सीट पर बैठे हो, सीट बेल्ट लगा लो। तब बोले विघ्नहर्ता हूं। मेरा कोई कुछ न बिगाड़ेगा। पर श्रीमान गणेश जी! ट्रैफिक नियम तो सबके लिए हैं। आप कोई लाट साहब थोड़े ही लगे हो।ज्बिना बेल्ट के चलोगे तो 2500 तो अब भरने ही होंगे।ज्मैं तो न जाऊंगा कस्टडी में।ज्चूहा हूं तो क्या हुआ। आखिर मेरी भी तो कोई इज्जत है कि नहींज्उतरो आप इधरिच। नहीं तो लुढक़ा दूंगा।' गणेश जी घबराए। अपने विघ्न को दूर करने के लिए अब किस विघ्नहर्ता का आवाहन करूं? यह भी सोच रहे हैं कि अब अपनी सूंड मटकाऊं या लटकाऊं? ज्कान पकड़े भैया, अब कभी बिना सीट बेल्ट लगाए, मूषक छोड़ो, चींटी तक की सवारी नहीं करूंगा।ज्देखो जरा, एक्सयूवी थ्रीओओ के लेटेस्ट मॉडल भी मुंबई के इन ट्रेफिक पुलिस बनाम चाचू लोगों को प्रभावित नहीं कर पाते। तरस भी नहीं आता कि लाखों की मेरी इस गाड़ी के चालक मेरे मूषक जी हैं, पर नहीं, ठोक दिया चालान। पर्ची भिजवा दी नारद जी के हाथ।ज्हे भगवान! मेरी रक्षा करो। मोदक खिलाऊंगा।ज्ओह मैं तो खुद ही गणेश हूं। मैं किससे कह रहा हूं। ज्अरे! गणेश हुआ तो क्या हुआ? नियम तो नियम है भैया।ज्माफ कर दो चाचू, कदम-कदम पर बनी इस पृथ्वी की अटल सडक़ योजना की हर सडक़ के नियम मानूंगा। मेरे पास तो आपको देने के लिए फूटी कौड़ी भी नहीं है।ज्उफ, मेरे तो गहने भी मिट्टी के ही इन लोगों ने बनवाएं हैं।ज्अरे भैया, थोड़ा सा तो सोना लगा देते। और अगर मुझे सजाना ही था तो असली सोने के गहने पहनाते, तो क्या चला जाता? विसर्जन के समय उतार लेते। कम से कम आज तो अपना जुर्माना भरने के लिए एक-आध आभूषण की रिश्वत ही दे देता।ज्'अरे मूषक जी, रुक जाओ भाया। ठहर जाओ। मैं भी आया', सोचते और कहते हुए गणेश जी अपने मूषक की पूंछ पकड़े-पकड़े इस धरती के सारे नियम-कानूनों को धता बता, खुद ही समुंदर को गंदला करते हुए, कब चुपके से, विसर्जन के लिए समुंदर में उतर लिए, पता ही नहीं चला। पीछे से भीड़ अभी भी चिल्ला रही थी। गणपति बाप्पा मोरया, बिना यह जाने कि अब तक तो गणेश जी जलमार्ग से अपने स्वर्ग की सीमा में कब का घुस लिए हैं। फिलहाल ट्रैफिक पुलिस वाले बिना सीट बेल्ट वाले सभी गणेश वानखेड़ों को और उनके राजू भाऊ टाइप मूषकों को कब से खोज रहे हैं। गणेश जी स्वर्ग से मुस्कुरा रहे हैं। कह रहे हैं, 'अगले बरस पक्का आऊंगा, पर सीट बेल्ट लगाकर, एक्सयूवी थ्रीओओ के लेटेस्ट मॉडल पर लद कर नहीं, बल्कि सीधे अपने मूषक पर चढ़ कर। ज्इस मुंबई पुलिस का क्या भरोसा मूषक पर बैठे-बैठे भी कहीं मेरा चालान न कर दे। इंडिया के कानून, स्वर्ग से भी बहुत सख्त हैं भाया। चलो, शिमला वाले भाई लोग! आप लोग भी सीट बेल्ट लगा लो वरना चाचू आते होंगे, ढाई हजार की पर्ची पकड़ाने।

दिल्ली का अड्डा उखड़ जाने के बाद केजरीवाल ने अपने कुछ गिने चुने साथियों के साथ पंजाब में ही डेरा जमा लिया था। लेकिन केजरीवाल की लालसा दिल्ली, पंजाब से संतुष्ट होने वाली तो है नहीं। वे अपनी पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी भी नहीं मानते। उनकी दृष्टि में भाजपा के बाद उनकी पार्टी ही एक मात्र राष्ट्रीय पार्टी है। वे राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। इस लिहाज से वे मोदी की टक्कर के नेता हैं। उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बनना है। इसके लिए उन्हें और उनकी पार्टी को पैसे की जरूरत थी। दिल्ली में इसके लिए विशेष शराब नीति बनाई गई। एक बोतल के साथ दूसरी बोतल मुत।

पंजाब में फंस रही है आम आदमी पार्टी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

यदि लैंड पूलिंग नीति के चक्कर में किसान फंस जाते तो चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती। लेकिन उस नीति से किसानों ने किनारा कर लियाज्

आम आदमी पार्टी पंजाब में लगता है दिन-प्रतिदिन दलदल में धंसती जा रही है। दिल्ली का अड्डा उखड़ जाने के बाद केजरीवाल ने अपने कुछ गिने चुने साथियों के साथ पंजाब में ही डेरा जमा लिया था। लेकिन केजरीवाल की लालसा दिल्ली, पंजाब से संतुष्ट होने वाली तो है नहीं। वे अपनी पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी भी नहीं मानते। उनकी दृष्टि में भाजपा के बाद उनकी पार्टी ही एक मात्र राष्ट्रीय पार्टी है। वे राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। इस लिहाज से वे मोदी की टक्कर के नेता हैं। उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बनना है। इसके लिए उन्हें और उनकी पार्टी को पैसे की जरूरत थी। दिल्ली में इसके लिए विशेष शराब नीति बनाई गई। एक बोतल के साथ दूसरी बोतल मुफ्त। लेकिन जब हो हल्ला हुआ तो नीति को बीच रास्ते छोड़ दिया गया। यह हो हल्ला कानून का ही था। कानून का हो हल्ला खतरनाक होता है। बीच रास्ते नीति छोड़ देने के बाद भी होता रहता है। यही कारण है कि केजरीवाल और उनके दूसरे साथी मनीष सिसोदिया को लंबे अरसे तक जेल में रहना पड़ा। अभी भी जमानत पर ही छूटे हुए हैं। इससे भी ज्यादा नुकसान तो तब हुआ जब इस शराब घोटाले के कारण दिल्ली विधानसभा का चुनाव तक हार गए। उस हार की वजह से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने पंजाब में डेरा जमा लिया। पहले केजरीवाल दिल्ली से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री बनना चाहते थे और अब पंजाब से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री का सपना पालने लगे। लेकिन दिल्ली में लगी पैसे की लत छूट नहीं रही थी। उसके लिए कोई रास्ता निकालना जरूरी था। पंजाब में इसके लिए एक नई नीति बनाई गई जिसका नाम रखा गया 'लैंड पूलिंग नीति'।

इस नई नीति के अनुसार सरकार को पांच-छह जिलों के किसानों की 65 हजार से भी ज्यादा उपजाऊ जमीन पंजाब सरकार ने काबू करनी थी। यह जमीन किसानों से लेकर बिल्डर्स को नई-नई कालोनियां बनाने के लिए दी जाने वाली थी। लेकिन खूबसूरती यह थी कि इसके लिए किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाना था। किसानों को दिल्ली की शैली में समझाने की कोशिश की जा रही थी कि आपको जमीन के बदले में एक या दो प्लाट दिए जाएंगे। यानी मेरी एक एकड़ जमीन लेकर मुझे उसी जमीन में से एक प्लाट दिया जाएगा। इस प्लाट पर मैं दुकान खोल सकता था, घर बना सकता था। सरकार का कहना था कि इन प्लाटों की कीमत एक एकड़ की कीमत से कहीं ज्यादा होने वाली थी, क्योंकि अब यह प्लाट किसी विकसित कालोनी का हिस्सा बनने वाले थे। यानी सरकार का कहना था कि यह खेती बेकार का काम था, किसानों को चाहिए कि वे नई विकसित कालोनियों में अपनी दुकानें खोलें और खूब पैसा कमाएं। यह आम आदमी पार्टी की पंजाब में किसानों की भलाई के लिए लागू की जाने वाली किसान भलाई स्कीम थी। दिल्ली में शराबियों के लिए 'शराब भलाई स्कीम' के फेल हो जाने के बाद पंजाब में यह नई 'किसान भलाई स्कीम' लागू की गई थी। लेकिन भीतर की बात जानने का दावा करने वाले कह रहे थे कि 'शराब भलाई स्कीम' की तरह ही यह पंजाब में बिल्डर्स माफिया से पैसा वसूलने का केजरीवाल का तरीका है। लेकिन मान लो किसान अपनी जमीनें सरकार को देकर, खेती का काम छोड़ कर दुकानें भी खोल लें तो भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न बचता था। गांव में इस जमीन पर मजदूरी का काम काम करके आजीविका चलाने वाला भी एक वर्ग होता है। इसी जमीन के लिए किसानों की अन्य जरूरतें पूरी करने वाले कुछ बढ़ई, लोहार इत्यादि भी होते हैं। किसान तो जमीन देकर दुकानदार बन जाएगा लेकिन किसान की जमीन पर आश्रित ये बाकी लोग कहां जाएंगे? इसका उत्तर देने की जरूरत शायद केजरीवाल जरूरी नहीं समझते। लेकिन

पंजाब के किसान शायद केजरीवाल की इस किसान भलाई स्कीम को समझ नहीं पाए। वैसे भी केजरीवाल की स्कीमों को समझने के लिए बुद्धि से ज्यादा चतुराई चाहिए। केजरीवाल को प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास व डां आनंद कुमार जैसे लोग नहीं समझ पाए थे। जब तक समझ पाते तब तक वे इन सभी को पार्टी से बाहर निकाल चुके थे।

जिस केजरीवाल की भीतरी चतुराइयों को अन्ना हजारे नहीं समझ पाए, उसे पंजाब के सीधे-साधे निश्छल किसान कहां समझ पाएंगे? यही सोच कर भगवंत मान की सरकार ने किसानों पर लैंड पूलिंग पालिसी का जाल फेंका था। लेकिन पंजाब का किसान समझ गया कि शिकारी ने जाल फेंका है। पंजाब का किसान एक बार इस जाल में फंस चुका था और केजरीवाल को पंजाब में विधानसभा की 92 सीटें दे दी थीं। परंतु काठ की हांडी चूल्हे पर एक बार चढ़ती है, बार-बार नहीं चढ़ती। किसानों ने गांव के बाहर जगह-जगह बोर्ड लगा दिए, केजरीवाल की पार्टी का कोई आदमी गांव में न आए। उनका प्रवेश वर्जित है। भगवंत मान अपने चुटकुले सुना कर किसानों को धोखा देने की कोशिश करते करते स्वयं ही चुटकुला बनने की स्थिति में पहुंचने लगे। पहले तो वे अपने गांव की कहानियां सुनाया करते थे कि किसान अपनी जमीन की रक्षा के लिए कत्ल करने से भी नहीं चूकता, लेकिन अब वे यह समझाने लगे कि दुकानदारी के क्या क्या फायदे हैं। यह फायदे शायद उन्हें केजरीवाल ही बताते होंगे, क्योंकि भगवंत मान तो आज तक भी यही समझाते रहते थे कि किसान खेती कैसे करता है। लेकिन अब वे पंजाब के किसानों को नया पाठ पढ़ा रहे थे। यह वह पाठ था जिसे याद करने में शायद भगवंत मान के भी पसीने छूट रहे थे। लेकिन किस्सा कोताह यह कि अंत में दिल्ली की शराब नीति की तरह पंजाब में यह किसान भलाई नीति भी सरकार को वापस लेनी पड़ी। आंखों में आंसू ला देने वाला प्याज भी खाना पड़ा और सजा भी भुगतनी पड़ी। सबसे बड़ी बात यह कि पंजाब के आगे आम आदमी का भीतरी पर्दा भी नंगा हो गया, हाथी के दांतों की तरह दो खाने के और होते हैं और दिखाने के लिए और होते हैं। पंजाब ने पहली बार केजरीवाल के खाने के लिए प्रयोग किए जाने वाले असली तीखे दांत देखे थे। जाहिर है भरी सभा में किसी का पर्दा उठ जाए और उसकी असलियत सामने आ जाए तो उसे अपने भविष्य की चिंता सताने लगती है। लैंड पूलिंग नीति का पर्दा खुल जाने के बाद यही चिंता केजरीवाल को सताने लगी। कुछ महीनों बाद ही पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव होने वाले हैं। पार्टी के तीखे और खतरनाक दांत, जिनसे सचमुच खाया जाता है, लोगों ने देख लिए हैं। इसलिए आने वाले चुनावों में कहीं दिल्ली की तरह पंजाब भी केजरीवाल को अर्श से फर्श पर तो नहीं ले आएगा? यदि लैंड पूलिंग नीति के चक्कर में किसान फंस जाते तो चुनाव जीतने की संभावना बढ़ जाती। लेकिन उस नीति को तो किसानों ने छूने से भी इंकार कर दिया था।

अब चुनाव कैसे जीते जाएं? इसके लिए आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लिए नई नीति अपनाई। पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया, जिन्होंने पंजाब को संभाल लेने की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली है, उन्होंने पार्टी के कार्यकर्ताओं को एक अंदरूनी बैठक में यह नई नीति समझाई। उन्होंने कहा कि हमें हर हालत में पंजाब विधानसभा का आगामी चुनाव जीतना ही है। उनके अनुसार, '2027 का चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, सच-झूठ, प्रश्न-उत्तर, लड़ाई-झगड़ा, जो भी करना पड़ेगा, वह करेंगे। हम तैयार हैं जोश के साथ।' पंजाब में चुनाव जीतने के लिए उनकी इस भावी योजना पर वहां उपस्थित सभी तथाकथित कार्यकर्ताओं ने तालियां बजा कर इस नई नीति का स्वागत किया। पंजाब के लोगों को भी, एक प्रकार से चुनौती देते हुए आम आदमी पार्टी ने पंजाब को लेकर अपनी इस नई नीति की घोषणा अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर भी कर दी। आम आदमी पार्टी के हौसले की तो सचमुच दाद देनी पड़ेगी। लगता है शराब नीति के बाद लैंड पूलिंग नीति और उसके बाद 'साम दाम दंड भेद नीति' के कारण केजरीवाल एक के बाद दूसरे दलदल में फंसते जा रहे हैं।

जुमे की नमाज अगर नहीं पढ़ी तो!

मलेशिया में इस्लाम कौमी मजहब या राष्ट्रीय धर्म है, जिस तेरेंगानु स्टेट की हुकूमत ने जुमे की नमाज न पढ़ने को लेकर सजा और जुर्माने का फैसला किया है, वहां की आबादी 12 लाख है। यहां मलय मुस्लिम रहते हैं। खास बात है कि मलेशिया के इस राज्य में असेंबली में कोई अपोजिशन नहीं है, क्योंकि यहां हुए विधानसभा चुनाव में सभी 32 असेंबली सीटों पर सियासी पार्टी 'इस्लाम सेई मलेशिया' के उम्मीदवार ही जीते थे, यानी विधानसभा में सिर्फ सत्ता पक्ष ही है इसलिए बिना किसी एतराज के जुमे की नमाज को लेकर सख्त फैसला ले लिया गया है।

सूफी खान

मुस्लिम बहुल या मुसलमानों की अक्सरियत वाले मुल्क मलेशिया में एक बड़ा फैसला लिया गया है। जिसके मुताबिक अगर कोई मुसलमान मर्द जानबूझकर जुमे की नमाज तर्क करता है, यानी छोड़ देता है तो अब उसे जेल होगी। इतना ही नहीं, ऐसे व्यक्ति पर 62 हजार रुपयों का जुर्माना भी लगाया जाएगा। जो मलेशिया की करेंसी में 3 हजार रिंगिट के बराबर है। नमाज-ए-जुमा को लेकर ये सख्ती मलेशिया की तेरेंगानु स्टेट में की गई है। सरकार का ये पैसला महिलाओं या ख्वातीनों पर लागू नहीं होगा। सिर्फ मुस्लिम पुरुषों को ही सजा होगी और जुर्माना देना होगा। अगर कोई ऐसी हरकत सामने आती है कि जिसमें नमाज बार-बार काहिली के चलते छोड़ी जा रही हो तो फिर उस शख्स को जुर्माना और जेल दोनों हो सकती है। इससे पहले मलेशिया में तीन जुमे की नमाज न पढ़ने पर सजा का कानून है। लेकिन मलेशिया जो अपने मिले-जुले और सबको साथ लेकर चलने के कल्चर की वजह से दुनियाभर में पहचाना जाता है, वहां एक स्टेट गवर्नमेंट के इस पैससले के बाद मलेशिया पर कट्टरता या मजहबी इंतेहापसंदी के बढ़ जाने के इल्जाम पर चर्चा शुरू हो गई है।

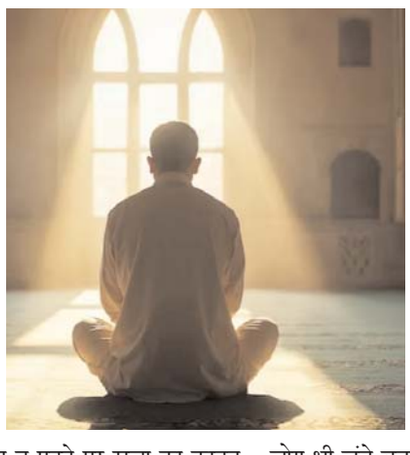

मलेशिया में इस्लाम कौमी मजहब या राष्ट्रीय धर्म है, जिस तेरेंगानु स्टेट की हुकूमत ने जुमे की नमाज न पढ़ने को लेकर सजा और जुर्माने का फैसला किया है, वहां की आबादी 12 लाख है। यहां मलय मुस्लिम रहते हैं। खास बात है कि मलेशिया के इस राज्य में असेंबली में कोई अपोजिशन नहीं है, क्योंकि यहां हुए विधानसभा चुनाव में सभी 32 असेंबली सीटों पर सियासी पार्टी 'इस्लाम सेई मलेशिया' के उम्मीदवार ही जीते थे, यानी विधानसभा में सिर्फ सत्ता पक्ष ही है इसलिए बिना किसी एतराज के जुमे की नमाज को लेकर सख्त फैसला ले लिया गया है।

हालांकि, इस सख्त फैसले को लेते वक्त ये भी ध्यान रखा गया है कि कोई मुस्लिम शख्स किसी जायज वजह या मजबूरी के चलते जुमे की नमाज नहीं पढ़ पाता है तो उस पर कार्रवाई नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि मलेशिया की इकोनॉमी का बहुत बड़ा हिस्सा टूरिज्म पर चलता है। समुद्र के बीच ये छोटा, लेकिन बेहद खूबसूरत मुल्क जहां का कल्चर बेहद विविधता समेटे हुए है। यहां मलय, चीनी और भारतीय कल्चर को मिलाकर एक संस्कृति बनती है और अलग-अलग मजहब एवं कल्चर को मानने वाले लोग भी लंबे वक्त से साथ रहते आ रहे हैं।

हालांकि, सरकार का यह फैसला सिर्फ मुसलमानों पर लागू होगा। लेकिन जुमे की नमाज को लेकर इस तरह की सख्ती पर सोशल मीडिया में चर्चा शुरू हो गई है। कोई इस फैसले की तारीफ कर रहा है तो कोई कह रहा है कि इबादत अल्लाह और बंदे का निजी मामला है, इसमें हुकूमतों को नहीं पड़ना चाहिए। जुमे की नमाज को लेकर इस तरह के कानून ठीक नहीं हैं।

उत्तर प्रदेश से वोट चोरी के विरुद्ध युद्ध'

रोहित माहेश्वरी

यूपी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी बीच समाजवादी पार्टी, कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग पर निशाना साध रखा है। सभी विपक्षी दल वोट चोरी को लेकर हमला बोल रहे हैं। इसी क्रम में पोस्टरवार के जरिए हमला बोला गया है। कांग्रेस नेता ने एक पोस्टर के जरिए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को भगवान श्रीकृष्ण के साथ महाभारत युद्ध दृश्य में दिखाया गया है। पोस्टर में भगवान श्रीकृष्ण रथ पर बैठे हुए हैं और उनके एक ओर राहुल गांधी तो दूसरी ओर अखिलेश यादव खड़े दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर के ऊपर भगवद्गीता का श्लोक क्यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत' लिखा गया है। साथ ही बड़े अक्षरों में लिखा है कि क्वोट चोरी के विरुद्ध युद्ध'।

अखिलेश यादव के निशाने पर आए डीएम: समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वोटिंग लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल उठाने के बीच यूपी के 3 जिलाधिकारियों को निशाने पर लिया है। अखिलेश ने लिखा कि क्एक्स' पर किए गए उनके दावे को लेकर बाराबंकी, जौनपुर और कासगंज के डीएम की तरफ से आए जवाब अपने आप में कई सवाल पैदा करते हैं। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बीते दिनों सपा की ओर से हलफनामा नहीं मिलने की बात कही थी। अब 3 जिलाधिकारियों के जवाब देने पर सपा मुखिया ने कहा कि या तो चुनाव आयोग की बात गलत है या फिर डीएम। अखिलेश ने क्एक्स' पर लिखा, क्डीएम लोगों से जनता का एक मासूम सवाल है, क्यों इतने सालों बाद आया जवाब है?

मुख्य चुनाव आयुक्त पर भड़के आजाद: उत्तर प्रदेश के नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आजाद ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त सेवानिवृत्ति के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बिहार में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले जारी एसआईआर पर सवाल उठाते हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों पर भी संदेह जताया है। चंद्रशेखर आजाद ने संसद परिसर में मुख्य चुनाव आयुक्त पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उनकी भाषा एक जिम्मेदार अधिकारी की नहीं, बल्कि एक नेता की थी।

दिल्ली में नाबालिग को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया

सतना पुलिस ने 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार, स्पा सेंटर में गलत काम कराने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पुलिस ने दिल्ली से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र की 14 साल की नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का है। गिरफ्तार आरोपियों में दुर्गेश चौधरी (26), स्पा संचालिका आशा यादव (45) और शाजिद खान (28) शामिल हैं। दुर्गेश गाजियाबाद का रहने वाला है और वर्तमान में नई दिल्ली में रहता है। आशा यादव बिहार की रहने वाली है और हरियाणा के सोनीपत में रहती है। शाजिद खान उत्तर प्रदेश के बागपत का निवासी है।

रिमांड में लेकर पूछताछ कर रही है पुलिस: शुक्रवार को तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। दुर्गेश और शाजिद को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। आशा यादव को पुलिस रिमांड में लेकर पूछताछ कर रही है। इस मामले में मुख्य आरोपी काजल पटेल को 14 अगस्त को ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

यह है मामला: 14 वर्षीय बालिका 20 मई को दोपहर 2 बजे के आसपास अचानक लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन जब वो नहीं मिली तो 21 मई को मामले की सूचना रामपुर बघेलान थाने को दी गई। पुलिस एवं परिजनों में काफी तलाश की लेकिन बच्ची नहीं मिली। बताया गया है कि आरोपी महिला काजल पटेल नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर दिल्ली अपने प्रेमी दुर्गेश के पास ले गई। दुर्गेश ने उसे अपने घर पर बंधक बना लिया। आरोप है कि वह दुष्कर्म करता रहा।

आरोपियों के चंगुल से भाग कर पिता को लगाया फोन: 12 अगस्त को पिता के मोबाइल पर किसी अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन पर उनकी बच्ची थी, उसने अपने पिता को वस्तुस्थिति बताई और कहा कि वह किसी तरह से आरोपियों के चंगुल से भाग कर हरियाणा के गुरुग्राम पहुंच गई है। पिता ने दिल्ली स्थित अपने रिश्तेदारों की मदद से बेटी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। परिजन उसे लेकर 14 अगस्त को दिल्ली से सतना आए और फिर रामपुर बघेलान थाने पहुंचे।

बयान दर्ज कराने के बाद मेडिकल कराया गया: पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी काजल पटेल को भी गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद मजिस्ट्रेट के समक्ष पीड़िता के बयान दर्ज कराने के बाद मेडिकल परीक्षण कराया गया। और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

स्पा सेंटर संचालक के हवाले कर दिया था: टीआई संदीप चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपी काजल पटेल ने अपने प्रेमी दुर्गेश के साथ नाबालिग को दिल्ली में रखने के बाद उसे स्पा सेंटर संचालक आशा यादव के हवाले कर दिया था। आशा यादव उससे अनैतिक काम करवा रही थी। अब पुलिस स्पा सेंटर की संचालिका के बताए अनुसार स्पा सेंटर में ग्राहक बनकर आए लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पकड़ में आया आरोपी शाजिद खान स्पा सेंटर का ग्राहक था।

आय प्रमाण पत्र में गड़बड़ी, 45 हजार की जगह 3 रुपए दर्शाने पर कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। आय प्रमाण पत्र में गड़बड़ी के मामले में प्रशासन ने कार्रवाई की है। एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया ने शुक्रवार को उतैली स्थित एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर को सील कर दिया। मामला पवैया निवासी मंजूषा गौतम का है। उन्होंने 11 अगस्त को उतैली स्थित आकाश स्टेशनरी में संचालित एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेंटर से आय प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। मंजूषा ने अपनी वार्षिक आय 45 हजार रुपए बताई थी। लेकिन कियोस्क संचालक ने ऑनलाइन आवेदन में मात्र 3 रुपए दर्ज कर दिए।

गहन जांच कर एसडीएम सिटी को भेजी रिपोर्ट: यह मामला कोठी तहसीलदार सौरभ द्विवेदी के संज्ञान में आया। उन्होंने गहन जांच कर एसडीएम सिटी को रिपोर्ट भेजी। इसके बाद एसडीएम सिलाडिया ने तहसीलदार द्विवेदी के साथ कियोस्क सेंटर पर छापा मारा। इस दौरान सभी दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया। कार्रवाई में एमपी ऑनलाइन मैनेजर महेंद्र चौरसिया और पटवारी रामभजन गौतम भी मौजूद रहे। एसडीएम ने बताया कि मामले की जांच जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि आखिर यह गड़बड़ी कैसे हुई। दोष सिद्ध होने पर कियोस्क संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है।

नगर निगम सतना द्वारा स्वच्छता जागरूकता एवं वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के आयुक्त महोदय के आदेशानुसार एवं स्वच्छ भारत मिशन सतना के नोडल अधिकारी तथा स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशन में 22 अगस्त को आईइसी टीम द्वारा विभिन्न वार्डों में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।कार्यक्रमों में मुहल्ला सभा, स्वच्छता शपथ, होम कंपोस्टिंग, प्लास्टिक बैन, रेड व येलो स्पॉट, सोर्स सेग्रीगेशन व स्वच्छता ऐप की जानकारी दी गई तथा रीवा रोड पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

साथ ही लिटिल फ्लावर स्कूल में वेस्ट टू आर्ट प्रदर्शनी आयोजित हुई, जिसमें बच्चों ने अपशिष्ट सामग्री से इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बनाकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य सिद्धार्थ पांडेय, शिक्षकगण, वार्ड दरोगा, सिपाही, आईइसी टीम के इमरान खान, निखिल जाधव जी सहित अन्य सदस्य तथा 300 से अधिक विद्यार्थी व वार्डवासी उपस्थित रहे।

आपराधिक जानकारी छिपाने पर पार्षद का निर्वाचन रद्द

चुनाव में गलत जानकारी देने पर कार्रवाई, निकटतम प्रतिद्वंद्वी को मिली जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद नगर परिषद के वार्ड नंबर-13 में न्यायालय ने प्रथम अपर सत्र अदालत ने मो. सोहराब का पार्षद पद शून्य घोषित कर दिया है। साथ ही निकटतम प्रतिद्वंद्वी मो. नफीस को नया पार्षद घोषित किया है। मामला 13 जुलाई 2022 के नगर परिषद चुनाव का है। इस चुनाव में कुल 7 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था। चुनाव परिणाम 26 जुलाई 2022 को मध्य प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित किया गया था।

आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई: अदालत ने पाया कि मो. सोहराब ने अपने नामांकन पत्र में आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई। उन्होंने शपथ पत्र में भी पूरी जानकारी नहीं दी। इस तरह उन्होंने निर्वाचन आयोग और शासन को गुमराह किया। इससे मतदान प्रक्रिया प्रभावित हुई। न्यायाधीश उमेश कुमार शर्मा की अदालत ने इस निर्णय की प्रति जिलाधीश, जिला निर्वाचन अधिकारी और नगर परिषद नागौद को भेजने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने पैरवी की।

प्रमाणित हुए आरोप: अदालत ने दोनों निर्वाचन याचिकाओं और उनके जवाबों की समीक्षा करते हुए तीन प्रमुख प्रश्न निर्धारित किए- क्या मो. सोहराब ने नामांकन और शपथ पत्र में गलत जानकारी दी? क्या उन्होंने चुनाव जीतने के लिए भ्रष्ट आचरण किया? और क्या इन परिस्थितियों में चुनाव को रद्द किया जाना चाहिए? मामले में प्रस्तुत लिखित और मौखिक साक्ष्यों के मूल्यांकन के बाद, अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि मो. सोहराब के खिलाफ लगाए गए आरोप सही हैं। नतीजतन, अदालत ने नगर पालिका अधिनियम के अनुसार, वार्ड क्रमांक-13 से मो. सोहराब के निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया और 293 मतों के साथ उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी मो. नफीस को उसी वार्ड से पार्षद घोषित किया।

स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत नगर निगम की पहल

इको-फ्रेंडली गणेश कार्यशालाओं से लेकर प्लास्टिक बैन अभियान तक आयोजित हुए कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत नगर पालिक निगम सतना की आईइसी टीम द्वारा 22 अगस्त को वार्ड क्रमांक 4, 5, 6, 9, 10 एवं 25 में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों की शुरुआत इको-फ्रेंडली गणेश कार्यशालाओं से हुई, जिनमें द लवडेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेंटर पॉइंट स्कूल और प्रियदर्शिनी स्कूल के विद्यार्थियों ने मिट्टी से गणेश जी की सुंदर मूर्तियाँ बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वार्ड 9 सिद्धार्थ नगर में नागरिकों ने प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान, स्वच्छता शपथ और होम कम्पोस्टिंग डेमो में भाग लेकर घरेलू कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन के तरीके सीखे। वार्ड 10 बर्दाडीह में इको-फ्रेंडली गणेश उत्सव पर जागरूकता कार्यक्रम, नाली सफाई अभियान और चार-बिन प्रणाली की जानकारी दी गई। वहीं वार्ड 25 स्टेशन रोड पर जीवीपी स्पॉट पर विशेष अभियान चलाकर नागरिकों को गंदगी के हॉटस्पॉट्स को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

पूरे दिन चले इन आयोजनों में बच्चों से लेकर नागरिकों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 'स्वच्छ सतना, लक्ष्य अपना' के संकल्प को मजबूत किया।

ड्रग इंस्पेक्टरों ने जब्त किए रिकॉर्ड

1 मेडिकल स्टोर सील, 44 हजार नीली गोलियों का रिकॉर्ड गायब

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए चल रही छापेमारी में बड़ी अनियमितताएं सामने आई हैं। फ्लाइंग स्क्वॉड को जांच में 44 हजार नीली गोलियों का हिसाब नहीं मिला। जबलपुर, सिंगरौली और सतना के ड्रग इंस्पेक्टर्स की टीम ने शहर के कई मेडिकल स्टोर्स की जांच की। राजेंद्रनगर स्थित शिव मेडिकल स्टोर्स को प्रोपराइटर और फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति में सील कर दिया गया। बगहा के गोविंद मेडिकल स्टोर्स को अनियमितताओं के कारण बंद करवाया गया।

44 हजार 912 गोलियों की बिक्री के दस्तावेज नहीं मिले: कार्रवाई की शुरुआत 20 अगस्त को पुराने नगर निगम कॉम्प्लेक्स स्थित मेसर्स अनुष्का मेडिकल से हुई। सात घंटे की जांच में पाया गया कि जबलपुर के स्टॉकिस्ट से खरीदी गई स्पास्मो प्रॉक्सीवॉन कैप्सूल की 44 हजार 912 गोलियों की बिक्री के दस्तावेज नहीं मिले। इसके अलावा अबॉर्शन किट और अन्य नारकोटिक्स दवाओं का सेल रिकॉर्ड भी प्रस्तुत नहीं किया गया।

स्टोर्स से दवा खरीद-फरोख्त के रिकॉर्ड जब्त किए: 21 अगस्त को टीम ने नागौद, दिदौंध और देवेंद्रनगर के अलग-अलग मेडिकल स्टोर्स से दवा खरीद-फरोख्त के रिकॉर्ड जब्त किए। तीसरे दिन एसडीएम राहुल सिलाडिया की मौजूदगी में गोविंद मेडिकल, आलोक मेडिकल और विनोद मेडिकल स्टोर का निरीक्षण किया गया। ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे ने लोगों से आग्रह किया है कि अगर कहीं नशीली दवाओं की संदिग्ध बिक्री या भंडारण दिखे तो इसकी सूचना दें।

राजा बाबा फॉल में दो युवक डूबे

सुरक्षा बैरीकेट्स तोड़कर 8 लोग नहाने उतरे थे, एसडीईआरएफ-गोताखोरों को दोनों के शव मिले

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। परसमनिया पठार स्थित राजा बाबा वॉटर फॉल में शुक्रवार शाम पिकनिक मनाने आए दो युवक डूबकर लापता हो गए। घटना शाम 5 बजे के आसपास की है। उचेहरा थाना क्षेत्र के पिपरी कला से 8 युवक तीन बाइक पर फॉल पर पहुंचे थे। वन विभाग द्वारा लगाए गए सुरक्षा बैरिकेड्स को नजरअंदाज कर कुछ युवक झरने में नहाने उतर गए। इसी दौरान बालकृष्ण कुशवाहा और आयुष कुशवाहा गहरे पानी में चले गए। साथी युवकों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

युवकों के कपड़े और अन्य सामान बरामद: बचे हुए 6 युवकों ने देर रात उचेहरा थाने पहुंचकर घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके से लापता युवकों के कपड़े और अन्य सामान बरामद किए। घटना में बचे युवकों में कुसुमलाल कुशवाहा, पुष्पराज खुशवाहा, जीवनलाल विश्वकर्मा, सतीश कुशवाहा, अजय कुशवाहा और शिवम कुशवाहा शामिल हैं।

पुलिस ने रात भर सर्च अभियान चलाया: स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने रात भर सर्च अभियान चलाया। शनिवार सुबह से स्कूबा और गोताखोरों की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। हादसे की खबर से गांव में शोक का माहौल है। राजाबाबा फॉल मानसून के दौरान विशेष रूप से खतरनाक हो जाता है। हर साल यहां पर्यटकों के डूबने की घटनाएं होती हैं। इसके बावजूद लोग सुरक्षा नियमों की अवहेलना करते रहते हैं।

नागौद में सांभर का मांस खाने की सूचना पर छापा, एक हिस्ट्री शीटर गिरफ्तार; 3 फरार

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में वन्यजीव के मांस खाने का मामला सामने आया है। शुक्रवार शाम वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने रेस्ट हाउस के रूम नंबर 3 में छापा मारा। टीम को देखते ही चार लोगों में से तीन मौके से फरार हो गए। डीएफओ मयंक चांदीवाल के अनुसार, टीम ने धौरहरा निवासी दर्पण सिंह को हिरासत में लिया है। मौके से एक बर्तन में पका हुआ मांस बरामद किया गया है। वन विभाग की टीम संदेही के घर भी गई, लेकिन वहां कोई सबूत नहीं मिला।

आरोपी पर एक दर्जन मारपीट के मामले दर्ज: पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी दर्पण सिंह हिस्ट्री शीटर है। उस पर करीब एक दर्जन मारपीट के मामले दर्ज हैं। पूछताछ में उसने तीन अन्य साथियों के नाम बताए हैं। इन फरार आरोपियों की तलाश में तीन टीमें भेजी गई हैं।

सांभर का मांस खाने की सुचना मिली थी: डीएफओ ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि सांभर का मांस खाया जा रहा है। बरामद मांस की फोरेंसिक जांच की जाएगी। जिस कमरे में दावत की जा रही थी, उसे सील कर दिया गया है। फिलहाल आरोपी को नागौद थाने के लॉकअप में रखा गया है।

किसानों की आय बढाने नवाचारों को बढावा दें : दिलीप सिंह परिहार

विधानसभा की कृशि विकास समिति ने ली कृशि एवं सम्बद्ध विभागों की समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार विभिन्न कृषि विकास तथा किसान कल्याण योजनाओं के माध्यम से किसानों की आय निरंतर बढाने का प्रयास कर रही है। प्राकृतिक खेती, जैविक खेती तथा फसल विविधीकरण के नवाचार करते हुए किसानों की आय बढाने के प्रयास किये जाये। सभापति परिहार शनिवार को चित्रकूट के ग्रामोदय विश्वविद्यालय के सभागार में सतना जिले की कृषि विकास परियोजनाओं और गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। सतना जिले के दो दिवसीय भ्रमण पर पहुंची विधानसभा की कृषि विकास समिति में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, भैरव सिंह बापू, नरेन्द्र प्रजापति सदस्य, स्थानीय विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, समिति के सचिव अरविन्द शर्मा, सूचना अधिकारी महावीर सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डीएफओ मयंक चांदीवाल, सहायक कलेक्टर अनिकेत शांडिल्य, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम नागौद जीतेन्द्र वर्मा, संयुक्त संचालक कृषि जेएस नेताम, उप संचालक सतना आशीष पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के जिला स्तरीय प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि विकास समिति के सभापति दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि देश की आजीविका का प्रमुख आधार खेती है। किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि के क्षेत्र में बिजली, पानी, खाद-बीज की सभी जरूरतें सरकार पूरी कर रही है। समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज भी खरीदने का काम सरकार कर रही है। विधानसभा की कृषि विकास समिति किसानों के हित सहित सर्वहारा वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लगातार फसलों के उत्पादन में कृषि कर्मण एवार्ड हासिल कर रहा है। अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढावा दिया जाये। सभापति ने कहा कि किसानों को अच्छी गुणवत्ता का खाद-बीज और कीटनाशक मुहैया हो सके। इसके लिए खाद-बीज कीटनाशक की मिलावट अथवा कालाबाजारी की शिकायतों पर कडी कार्यवाही की जाये।

उप संचालक कृषि आशीष पाण्डेय ने बताया कि सतना जिले में खरीफ में 2 लाख 9 हजार और रबी में 2 लाख 62 हजार हेक्टेयर में फसल ली जाती है। धान और गेहूं जिले की मुख्य फसलें है। जिले में नवाचारों के तहत कृषि विभाग के तकनीक हस्तांतरण से वर्ष 2024 में धान का औसत उत्पादन 43.65 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रहा जो म.प्र. राज्य के औसत 35.15 क्विंटल और राष्ट्रीय औसत 27.80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से कही अधिक रहा है। सतना जिले के किसान बाबूलाल दाहिया को जैव विविधता पुरूस्कार और पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इनके निज प्रयासों से लगभग 250 किस्में धान और गेहूं की संरक्षित संवर्धित की जा रही है।

सतना जिले में नरवाई प्रबंधन के लिए हैपीसीडर और सुपर सीडर कृषि यंत्रों को किसानों के बीच वितरण का अच्छा काम हुआ है। जिले में रबी और खरीफमिलाकर 1 लाख 30 हजार 863 किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ दिया गया है। सहायक संचालक उद्यानिकी अनिल सिंह ने बताया कि राज्य पोषित योजना पीएम केएसवाय तथा पीएमएफएमई में वर्ष 2024-25 के सभी लक्ष्य पूरे किये गये हैं। सदस्यों ने कहा कि उद्यानिकी में मसालों की खेती के लिए किसानों को जोडने प्रचार-प्रसार किया जाये।

रतलाम पुलिस को मिले डायल 112 के 21 नए वाहन, 15 से 20 मिनट में मिलेगी मदद; ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में रहेगी तैनात

रतलाम, एजेंसी। सीएम डॉ. मोहन यादव ने 15 अगस्त को भोपाल में एमपी पुलिस की नई सेवा डायल 112 का शुभारंभ किया था। रतलाम पुलिस को नए 21 वाहन डायल 112 के मिल गए हैं। उज्जैन आईजी उमेश जोगा, रतलाम रेंज डीआईजी मनोजसिंह, एसपी अमित कुमार ने शुक्रवार को डायल 112 के वाहनों को हरी झंडी देकर रवाना किया। सभी वाहन फील्ड में क्षेत्र अनुसार निर्धारित नोडल प्वाइंट पर ड्यूटी में तैनात रहेंगे।

मध्यप्रदेश पुलिस का एमरजेंसी नंबर डायल 100 की जगह अब डायल 112 हो चुका है। एमपी पुलिस में न्यू फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल में बदलाव किए किए है। नागरिकों की सुरक्षा एवं त्वरित पुलिस सहायता के लिए मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जिले को 21 नवीन एफआरवी (डायलङ्क112) वाहन दिए है। पूर्व से संचालित आकस्मिक पुलिस सेवा का आधुनिक समय के अनुसार आधुनिकीकरण किया है। आईजी जोगा ने बताया डायल 112 राष्ट्रीय आपातकालीन सेवा है। इसमें पुलिस, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस, आपदा प्रबंधन, सायबर सुरक्षा, महिला सुरक्षा, रेलवे हेल्पलाइन और अन्य आपातकालीन एजेंसियां एकीकृत रूप से शामिल हैं। एसपी कुमार ने वाहनों में उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। तकनीकी, मैकेनिकल उपकरण एवं उपलब्ध टूल्स, स्ट्रेचर, रस्सी, कटर,

अग्निशमन, प्राथमिक उपचार किट इत्यादि भी चेक किए। यह रहे मौजूद एएसपी राकेश खाखा, सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया, एसडीओपी रतलाम ग्रामीण किशोर पाटनवाला, जावरा सीएसपी युवराज सिंह चौहान, एसडीओपी जावरा ग्रामीण संदीप मालवीय, डीएसपी अजय सारवान, आरआई मोहन भर्रावत समेत जिले के सभी थाना प्रभारी मौजूद रहे। डायल 112 सेवा की विशेषताएं एकीकृत सेवाङ्क पुलिस, स्वास्थ्य (एम्बुलेंस), अग्निशमन (फायर ब्रिगेड), महिला हेल्पलाइन, और अन्य आपातकालीन सेवाओं के लिए अलग-अलग नंबर याद नहीं रखने होंगे। सभी का नंबर 112 होगा।

आधुनिक तकनीकङ्क यह सेवा जीपीएस, लाइव लोकेशन ट्रैकिंग और आधुनिक डिस्पैच सॉफ्टवेयर जैसी तकनीकों से लैस है। जिससे सहायता तुरंत और सटीक रूप से पहुंचाई जा सके। बेहतर रिस्पांसङ्क यह सेवा डायल 100 का एक अपग्रेडेड रूप है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में त्वरित और कुशल सहायता प्रदान करती है। हाई-टेक वाहनङ्क जिला रतलाम में कुल 21 नई एफआरवी वाहन तैनात किए है। जिसमें शहरी थानों के लिए 06 स्कार्पियों एवं ग्रामीण थानों के लिए 15 बोलेरो तैनात की है। जो जीपीएस और अन्य तकनीकों से लैस हैं। सुरक्षा और दक्षताङ्क नई तकनीकों और बॉडी माउंट कैमरों से लैस पुलिसकर्मियों की मदद से कंट्रोल सेंटर को सीधा लाइव आउटपुट मिलेगा। डैशबोर्ड कैमरा सहित आदि सुविधाओं से लैस है।

चारामार दवा कंपनी के एमडी समेत 6 लोगों पर केस

खंडवा में 48 किसानों की 220 एकड़ में सोयाबीन खराब हुई थी, लैब जांच में दवा अमानक

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में खरपतवार नाशक दवा का छिड़काव करने के बाद 48 किसानों की 220 एकड़ सोयाबीन फसल खराब हो गई। जांच में दवा अमानक स्तर की पाई गई। इसके बाद कृषि विभाग की शिकायत पर पुलिस ने दवा निर्माता कंपनी के एमडी सहित 6 लोगों पर कीटनाशक एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की है। 80-90त्न पौधे पूरी तरह प्रभावित उप संचालक कृषि नितेश यादव ने बताया कि खालवा क्षेत्र के ढकोची और आसपास के गांवों के किसानों की फसल प्रभावित हुई। छिड़काव के बाद 80ङ्क90त्न पौधे पूरी तरह खराब हो गए, जिससे उत्पादन की संभावना खत्म हो गई। शिकायत मिलने पर जांच दल गठित किया गया था। दवा की गुणवत्ता जांच में मिली खामी जांच दल ने पाया कि दिल्ली की एचपीएम केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स कंपनी द्वारा निर्मित दवा एचपीएम बायोक्लोर के छिड़काव से फसल प्रभावित हुई। दवा का जिले में परिवहन, भंडारण और बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। विक्रेताओं से 16 पैकेट जब्त किए गए। फरीदाबाद लैब की रिपोर्ट में दवा की गुणवत्ता मानक से काफी कम पाई गई। कंपनी प्रबंधन और विक्रेता पर एफआईआर खालवा पुलिस ने कंपनी के एमडी अशोक अग्रवाल, केमिस्ट अनीष कुमार पांडे, मंगाराम, अश्वनी कुमार, प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षरकर्ता एसके पंचारिया और विक्रेता विजय राठौर (प्रो. तनुज एग्री क्लिनिक) के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सागर में रेस्टोरेंट में घुसा 5 फीट लंबा कोबरा

दरवाजे के पास छिपा बैठा था, स्नेक कैचर ने रेस्क्यू कर पकड़ा

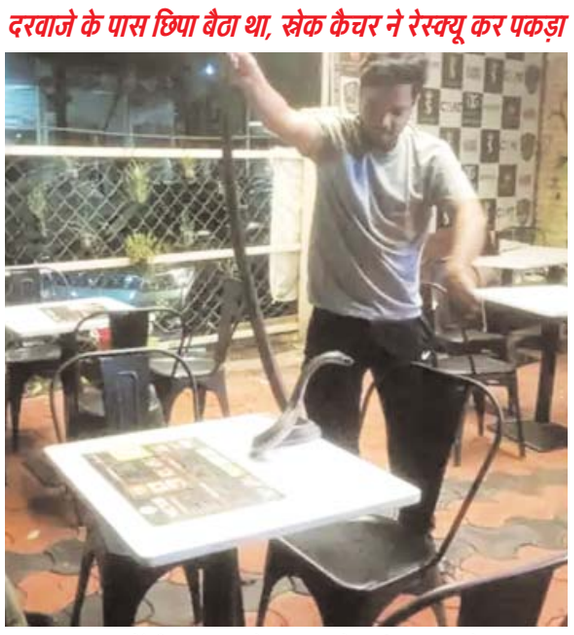

सागर, एजेंसी। सागर के मकरोनिया इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में शुक्रवार को कोबरा घुस गया। सांप देख कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। स्नेक कैचर को सूचना दी गई। स्नेक कैचर असद खान मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू कर सांप को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, मकरोनिया चौराहे पर स्थित शराब दुकान के पीछे स्थित खेल ग्राउंड में लोगों ने सांप देखा। कभी कभी ग्राउंड में तो कभी पास में बने रेस्टोरेंट में घूम रहा था। सांप देख मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान सांप रेस्टोरेंट के दरवाजे के पास जाकर छिप गया। स्नेक कैचर असद मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। कुछ देर की मशक्कत के बाद सांप को पकड़ लिया गया। जैसे ही स्नेक कैचर ने सांप को पकड़ा तो उसने गुस्से में जमकर फुफकार मारी। हालांकि स्नेक कैचर ने सांप को नियंत्रण में किया और सुरक्षित पकड़ लिया।

कोबरा प्रजाति का करीब 5 फीट लंबा सांप स्नेक कैचर असद खान ने बताया कि रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति का है जो करीब 5 फीट लंबा है। यह सांप बेहद जहरीला होता है। इस समय बारिश और उमस हो रही है। जिस कारण से जीव-जंतु बिलों से बाहर निकल रहे हैं। लोगों को अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखना चाहिए।

उज्जैन में 5 हजार बच्चों ने बनाए मिट्टी के गणेश,35 स्कूलों के

विद्यार्थियों ने शपथ ली; कहा - अब हर घर में विराजेंगे मिट्टी के गणेश

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन के आगर रोड स्थित चिमनगंज मंडी में शनिवार सुबह 35 से अधिक स्कूलों के करीब 5 हजार छात्र-छात्राओं ने मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना और घरों में मिट्टी के गणेश विराजित करने की प्रेरणा देना था। इस दौरान बच्चों ने शपथ भी ली कि वे केवल मिट्टी के गणेश ही बनाएंगे और गणेशोत्सव में उनका ही पूजन करेंगे। लोकमान्य तिलक गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, नगर निगम सभापति कलावती यादव और भाजपा शहर अध्यक्ष संजय अग्रवाल भी मौजूद रहे। 100 प्रशिक्षकों की मदद से प्रतिमाएं तैयार प्रतिमाएं बनाने के लिए विशेष मिट्टी दो दिन पहले से मंगाई गई थी और उसे गोले बनाकर रख दिया गया था। सुबह से ही बच्चे मंडी प्रांगण में जुटना शुरू

हो गए और करीब 100 प्रशिक्षकों की मदद से प्रतिमाएं तैयार कीं। इस दौरान बच्चों ने बड़े उत्साह से गणेश प्रतिमा बनाते हुए मिट्टी के महत्व को भी समझा। पांडालों में बांटी जाएंगी प्रतिमाएं बच्चों द्वारा बनाई गई छोटी प्रतिमाओं के अलावा, आयोजन स्थल पर 3 से 4 फीट ऊंची 300 से अधिक गणेश प्रतिमाएं भी तैयार की जा रही हैं। इन्हें शहर के गणेश पांडालों में निशुल्क वितरित किया जाएगा, ताकि बड़े स्तर पर पर्यावरण हितैषी गणेश उत्सव मनाया जा सके।35 स्कूलों के बच्चे हुए शामि जिला शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पर्यावरण संरक्षण के आह्वान पर यह आयोजन किया गया। उम्मीद से अधिक संख्या में बच्चे पहुंचे और उत्साह के साथ मिट्टी के गणेश बनाए। इस दौरान बच्चों को जल संवर्धन और मिट्टी के महत्व पर भी जागरूक किया गया।

शनि अमावस्या और पोला पर्व का संयोग

खरगोन, एजेंसी। खरगोन में शनि अमावस्या और पोला पर्व के विशेष संयोग पर शनिवार को श्रद्धालुओं ने नर्मदा में स्नान किया। जिले के महेश्वर, बड़वाह और मंडलेश्वर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। नर्मदा के दक्षिणी तट पर स्थित माकड़खेड़ा, नावडातोड़ी, वेदा, कुंदा-नर्मदा संगम, बलगांव और खल बुजुर्ग के घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद घाट किनारे स्थित मंदिरों में जल चढ़ाया और दान-पुण्य किया। 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया सुबह 11 बजे तक अनुमानित 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया। पोला पर्व के कारण बड़ी संख्या में किसान परिवार भी घाटों पर पहुंचे। नर्मदा में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए पुलिस और कोटवारों ने सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की।

बाघ का पंजा काटकर ले गए शिकारी, नर्मदापुरम में तवा नदी किनारे मिला शव; 10 दिन में दूसरे बाघ की मौत

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम में तवा नदी के किनारे एक बाघ का शिकार किया गया। शिकारी टाइगर का पंजा काटकर ले गए। शुक्रवार सुबह वन विकास निगम की जमीन से लगी तवा नदी के बैक वाटर में एसटीआर (सतपुड़ा टाइगर रिजर्व) की गश्ती टीम को शव मिला।

मौके पर पहुंची फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा ने बताया कि बाघ के एक पैर का पंजा गायब है। बाकी तीन पंजे सुरक्षित मिले हैं। शव को नदी से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। जिले में 10 दिन में दूसरे बाघ की मौत है। शिकारियों की तलाश में जुटी टीम डिप्टी डायरेक्टर ऋषभा नेताम ने बताया कि तवा नदी के बैक वाटर में बाघ मृत अवस्था में मोटर बोट गश्ती टीम को दिखा। जिस जगह शव मिला वो वन विकास निगम का क्षेत्र है। वहां से बढ़ चापड़ा गांव नजदीक है। बाघ नदी में कहीं से बहकर आया है या शिकारियों ने उसी जगह फेंका इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। डॉग स्क्वॉड भी मौके पर पहुंचा है। केस दर्ज कर लिया है। 12 अगस्त को भी मृत मिला था एक टाइगर यह जिले में पिछले 10 दिन में

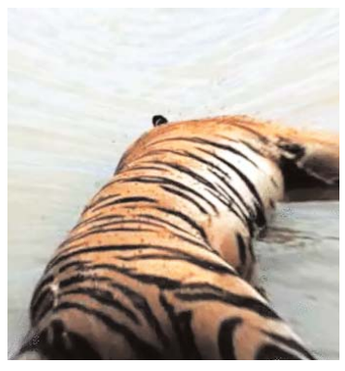

टाइगर की दूसरी मौत है। 12 अगस्त को मढ़ई के कोर क्षेत्र में लगदा कैंप के पास भी एक टाइगर पानी में मृत पाया गया था। उस समय अधिकारियों ने इसकी वजह आपसी संघर्ष बताई थी। हालांकि शुक्रवार को शव जिस क्षेत्र में मिला वह वन विकास निगम के क्षेत्र में आता है, जहां कोर और बफर क्षेत्र से दूरी होने के कारण आपसी संघर्ष की संभावना कम मानी जा रही है। 2023 में शिकारी गर्दन काट ले गए थे पिछले दो महीनों में एसटीआर में एक टाइगर और एक तेंदुआ की मौत के मामले सामने आ चुके हैं। दोनों घटनाएं जंगल के भीतर हुई और प्रबंधन ने इनकी वजह दूसरे वन्य प्राणी से संघर्ष बताई थी। लेकिन शुक्रवार का मामला वन विकास निगम क्षेत्र में होने के कारण सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी पर सवाल उठ रहे हैं। उवन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि चूरना क्षेत्र में पहले भी टाइगर के शिकार के मामले सामने आ चुके हैं। जून 2023 में शिकारी बाघ की गर्दन काटकर ले गए थे। टाइगर और तेंदुआ की बढ़ती मौतों से वन्यजीवों की सुरक्षा पर गंभीर चिंता व्यक्त की जा रही है।

मैहर में रेप के कोशिश के बाद कुल्हाड़ी से हमला

पति के विरोध पर आरोपी ने पति-पत्नी और सास को किया वार, तीनों रीवा रेफर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मध्य प्रदेश के मैहर में रामनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक व्यक्ति ने पहले महिला से रेप का प्रयास किया और बाद में पूरे परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। आरोपी जयपाल नट 6 अगस्त की रात करीब 8 बजे घर की बाउंड्री फांदकर पीड़िता के घर में घुस गया। उस समय पीड़िता का पति नौकरी के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। रेप प्रयास में नाकाम होने पर भड़का आरोपी पीड़िता के मुताबिक, आरोपी ने उससे रेप का प्रयास किया। विरोध करने पर वह मौके से फरार हो गया। जब शुक्रवार की रात के बीच पति घर लौटा, तो पत्नी ने उसे पूरी घटना बताई। पति ने जब आरोपी से इस बारे में पूछताछ की कोशिश की तो आरोपी भड़क गया।

कुल्हाड़ी से दंपती और सास पर किया जानलेवा हमला इसके बाद आरोपी ने कुल्हाड़ी से पति-पत्नी और सास पर हमला कर दिया। हमले में सास और बहू को गंभीर चोटें आईं। पति की गर्दन पर भी चोट लगी। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घायलों को लेकर

अस्पताल पहुंचे। तीनों को 23 अगस्त की सुबह 3 बजे रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

तीनों रीवा अस्पताल में भर्ती रामनगर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ने बताया कि घायलों का रीवा अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छतरपुर में चोरों ने घर में की चोरी:सीसीटीवी में कैद हुए दो शख्स, रात 2 बजे अलमारी से 1 लाख के जेवर और नकदी ले गए

छतरपुर, एजेंसी । छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में देरी रोड पर चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया। शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 2ङ्क18 बजे चोरों ने महेश प्रसाद पटेरिया के घर में प्रवेश किया। चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवर और नकदी चुरा ली।

चोरी की वारदात के समय घर मालिक महेश प्रसाद पटेरिया अपने परिवार के साथ भगवा गांव गए हुए थे। चोरों ने अलमारी से 11 चांदी के सिक्के, 2 जोड़ी पायल, 1 करधौनी और 1 सोने की अंगूठी चुराई। इसके अलावा एक मिक्सी और 5 हजार रुपए नकद भी ले गए। कुल

मिलाकर करीब 1 लाख 10 हजार रुपए का सामान चोरी हुआ। टोकने पर भाग निकले चोर घटना की जानकारी सुबह पड़ोसियों ने परिजनों को दी। प्रत्यक्षदर्शी ग्यासी कुशवाहा ने बताया कि रात में घर के पास दो संदिग्ध लोग दिखे थे। टोकने पर वे भाग निकले। घटना दो सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। एक फुटेज में एक व्यक्ति रेकी करता दिख रहा है। दूसरी वीडियो में दो चोर चोरी के बाद भागते हुए नजर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

बुरहानपुर में आवारा सांड ने बुजुर्ग की जान ली, मुआवजे और कार्रवाई की मांग; दो दिन में 10 लोगों पर हमला

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर में एक आवारा सांड ने 65 वर्षीय बुजुर्ग की जान ले ली। शनिवार सुबह 5:30 बजे प्रतापपुरा छोटी सब्जी मंडी के पास सांड ने नरेंद्र चूड़ीवाले पर हमला किया। सांड ने उन्हें पटक दिया, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। यह सांड पिछले दो दिनों से पांडुमल चौराहा और प्रतापपुरा क्षेत्र में आतंक मचा रहा है। शुक्रवार को इसने पांडुमल चौराहे पर कई लोगों पर हमला किया। एक बुजुर्ग को धक्का देने से वे नाली में गिर गए, जिन्हें लोगों ने बाहर निकाला। दो दिन में सांड ने 8-10 लोगों को अपना निशाना बनाया है। क्षेत्रीय पार्षद अजय बालापुरकर ने बताया कि सांड ने उन पर भी हमला किया था। पार्षद

एहफाज मीर ने लोगों को सांड से दूर रहने की सलाह दी है। मृतक नरेंद्र का शनिवार दोपहर अंतिम संस्कार किया गया। पार्षद ने बताया कि मृतक पहले से ही लकवाग्रस्त थे और गरीब परिवार से थे। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। क्षेत्र में लोगों में भय का माहौल है और नगर निगम से तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

पाटीदार समाज के बीच झड़प, 7 घायल, 3 को पैर में गोली लगी

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र के गांव नाटाराम में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात जाट और पाटीदार समाज के दो पक्षों में विवाद गोलीबारी तक पहुंच गया। इस घटना में महिला समेत करीब 7 लोग घायल हुए हैं। तीन लोगों को गोली लगी है जिन्हें जिला अस्पताल मंदसौर में भर्ती कराया गया है। सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। प्रेम विवाह से जुड़ी पुरानी रंजिश जानकारी के मुताबिक जाट समाज के धारा सिंह ने करीब 6 साल पहले पाटीदार समाज की युवती सलोनी से प्रेम विवाह किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में आए दिन तनाव बना रहता है। 21 जुलाई को कावड़ यात्रा के दौरान भी इसी वजह से विवाद हुआ

था, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। गोलीबारी में तीन को पैर में लगी गोली विवाद के दौरान दोनों ओर से लाठी, धारदार हथियार और गोली का इस्तेमाल हुआ। तीन लोगों के पैर में गोली लगी। घायलों को पहले सीतामऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, वहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने 13 लोगों पर मामला दर्ज किया टीआई पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि विवाद में जाट समाज के 4 और पाटीदार समाज के 3 लोग घायल हुए हैं। घायलों में अरविंद पाटीदार, प्रदीप पाटीदार और दशरत जाट को0 गोली लगी है। पुलिस ने दोनों पक्षों के 13 लोगों- राधेश्याम, अशोक, भरत, मान सिंह, विशाल, महावीर, सूरज, श्यामलाल, घनश्याम, मोहन, जगदीश, राम और अरविंद पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। कुछ आरोपी पुलिस हिरासत में हैं।

केनेडी सेंटर में होगा फीफा वर्ल्ड कप 2026 का ड्रॉ - ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि वॉशिंगटन स्थित जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ड्रॉ की मेजबानी करेगा। ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, इस वर्ष 5 दिसंबर को 2026 फीफा वर्ल्ड कप ड्रॉ केनेडी सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैंटिनो भी मौजूद रहे। राष्ट्रपति ट्रंप इस समय केनेडी सेंटर के 257 मिलियन डॉलर के नवीनीकरण कार्य की देखरेख कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सेंटर अगले साल होने वाले अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ समारोह का प्रमुख आकर्षण होगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको संयुक्त रूप से आयोजित करेंगे। यह पहला वर्ल्ड कप होगा जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी और कुल 104 मैच खेले जाएंगे। कनाडा में 13 मुकाबले होंगे, जिनमें से 10 ग्रुप स्टेज के होंगे और ये टोरंटो व वैंकूवर में बराबर बांटे जाएंगे। मैक्सिको को भी 13 मैचों की मेजबानी मिलेगी, जिनमें ग्रुप स्टेज के 10 मैच मेक्सिको सिटी, ग्वाडलजारा और मॉन्टेरी में होंगे। बाकी मुकाबले अमेरिका के 11 शहरों में आयोजित किए जाएंगे। फीफा ने इस भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। संगठन ने अमेरिका में अपने फील्ड ऑफिस मियामी और न्यूयॉर्क के ट्रंप टॉवर में स्थापित किए हैं।

हीरो एशिया कप 2025 के लिए भारत पहुंची मलेशिया की टीम - कप्तान मरहान जलील ने राजगीर पहुंचने पर जताई खुशी,

राजगीर, एजेंसी। बिहार में होने जा रहे प्रतिष्ठित हीरो एशिया कप 2025 के लिए शनिवार सुबह मलेशिया की टीम राजगीर पहुंच गई है। यह टूर्नामेंट 29 अगस्त को शुरू होगा और 7 सितंबर तक चलेगा। मलेशिया की टीम के यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। पिछली बार जकार्ता में हुए फाइनल में मलेशिया को कोरिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस बार मलेशिया के कप्तान मरहान जलील ने साफ कहा कि टीम जीतने के इरादे से आई है। उन्होंने कहा, राजगीर आकर बेहद उत्साहित हूं। हमारी तैयारियां अच्छी रही हैं और हम एक शानदार टूर्नामेंट की उम्मीद कर रहे हैं। मेजबान भारत को हराना आसान नहीं होगा क्योंकि उन्होंने प्रो लीग में कई शीर्ष टीमों के साथ खेला है और उनके पास बेहतरीन अनुभव और अंतरराष्ट्रीय हॉकी का एक्सपोजर है। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा चैंपियन कोरिया भी इस टूर्नामेंट में देखने योग्य टीम होगी। उन्होंने कहा कि इस साल हम उनके खिलाफ खेल चुके हैं और वे बेहद फिट और तेज नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर हमारी कोशिश पहले सुपर 4 में पहुंचने की होगी। टीम के मुख्य कोच सरजीत कुंदन ने गर्मजोशी भरे स्वागत पर खुशी जताते हुए कहा, सबसे पहले तो हम इस शानदार स्वागत के लिए आभारी हैं। हमें खुशी है कि हम समय से पहले यहां पहुंचे और कुछ वॉर्म-अप मैच भी खेल पाएंगे। हम एक युवा टीम हैं और हमारा लक्ष्य 2028 ओलंपिक और अगले साल के एशियाई खेलों की तैयारी करना है। हाल ही में हमने ऑस्ट्रेलिया और कोरिया का दौरा किया और सुल्तान अजलान शाह टूर्नामेंट भी खेलना है। यहां हमारा मकसद अच्छा खेलना है। हम इस प्रतियोगिता में दूसरी वरीयता प्राप्त टीम हैं और उम्मीद है कि पदक जीतेंगे।

दिल्ली प्रीमियर लीग: पुरानी दिल्ली 6 के लिए अब हर मैच फाइनल जैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रही दिल्ली प्रीमियर लीग में पुरानी दिल्ली 6 का यह सीज़न काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम ने शुरुआत आउटर दिल्ली वॉरियर्स से 82 रनों की करारी हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो मैच जीते। हालांकि, इसके बाद लय बिगड़ गई और नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स से 27 रनों और ईस्ट दिल्ली राइडर्स से 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में भी हालात और कठिन रहे, जहां उन्हें दोबारा लगातार साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज से 46 रनों और ईस्ट दिल्ली राइडर्स से 21 रनों से हार झेलनी पड़ी।

रिपोर्टर्स ब्रॉडकास्टिंग के अनुसार, मेसी दिसंबर में तीन भारतीय शहरों का एक व्यक्तिगत दौरा भी कर सकते हैं। जीओएटी टूर ऑफ़ इंडिया 2025 नामक यह दौरा कोलकाता से शुरू होगा, उसके बाद अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली में होगा।

आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी की प्रतिमा का अनावरण, जीओएटी कॉन्सर्ट और जीओएटी कप उनके संभावित कार्यक्रम में शामिल हैं।

अब पुरानी दिल्ली 6 शनिवार को वेस्ट दिल्ली लायंस के खिलाफ जीत हासिल करके अपने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेंगे। हालांकि प्लेऑफ़ की उम्मीदें बेहद कमजोर स्थिति में हैं और टीम के लिए अब हर मुकाबला एक नॉकआउट मुकाबले की तरह है। दरअसल, बेंगलुरु शहर पुलिस ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) माइकल डी%कुन्हा आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए खेलों के आयोजन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। रिपोर्ट में इस स्थल को बड़े आयोजनों के लिए अनुपयुक्त बताया गया था। यह घटनाक्रम महाराजा ट्रॉफी केएससीए टी20 टूर्नामेंट को भी चिन्नास्वामी से हटाकर मैसूरु स्थानांतरित किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है, क्योंकि पुलिस ने इसकी मंजूरी नहीं दी थी।

टूर्नामेंट की तारीखें 30 सितम्बर से 2 नवम्बर तक अपरिवर्तित रहेंगी, जो एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होलकर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो, श्रीलंका) में खेले जायेंगे। भारत ने इससे पहले 1978, 1997 और 2013 में महिला विश्व कप की मेज़बानी की है। चिन्नास्वामी ने इस टूर्नामेंट में केवल एक बार हिस्सा लिया है, जहां 1997 में एक मैच खेला गया था। उस संस्करण में मैसूरु के गंगोत्री ग्लेड्स ने पाकिस्तान और डेनमार्क के बीच एक लीग मैच की मेज़बानी की थी। आगामी मुकाबलों पर बात करते हुए पुरानी दिल्ली 6 के मालिक आकाश नांगिया ने कहा कि, हमें अपनी स्थिति का पूरा अंदाजा है और लड़के भी जानते हैं कि दांव पर क्या लगा है। अब सबकुछ आत्मविश्वास और योजनाओं को अनुशासन के साथ लागू करने पर निर्भर करता है। यहां से हर मैच हमारे लिए फाइनल है।

टीम एक बार फिर सलामी बल्लेबाज समर्थ सेठ की निरंतरता, देव लाकड़ा की विस्फोटक मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज़ी और कप्तान वंश बेदी के हरफनमौला प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। साथ ही गेंदबाज़ों को भी अहम मौकों पर विकेट निकालने ही होंगे। टीम के पास अभी सेंट्रल दिल्ली किंग्स (25 अगस्त) और साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज (27 अगस्त) के खिलाफ मैच बाकी हैं, ऐसे में शनिवार का यह मुकाबला बेहद अहम होने वाला है।

टीम: वंश बेदी (कप्तान), ऋषभ पंत (मार्की खिलाड़ी), ललित यादव, देव लाकड़ा, आयुष सिंह, समर्थ सेठ, आरूष मल्होत्रा, सार्थक पाल, अग्रिम शर्मा, विवेक यादव, युग गुप्ता, उदव मोहन, प्रणव पंत, प्रिंस मिश्रा, रुषल सैनी, आर्यन कपूर, प्रदीप पराशर, एकांश डोबाल, आदित्य मल्होत्रा, रजनीश दादर, आशीष चौरसिया, कुश नागपाल, ध्रुव चौहान, गौरव सरोहा।

द हंड्रेड: वेल्श फायर ने बर्मिंघम फीनिक्स को दी शिकस्त, प्लेऑफ़ उम्मीदें बरकरार

लंदन, एजेंसी। पुरुषों की द हंड्रेड 2025 में वेल्श फायर ने बर्मिंघम फीनिक्स को शुक्रवार रात 8 विकेट से हराकर प्लेऑफ़ की दौड़ में अपनी उम्मीदों को ज़िंदा रखा। इस जीत के साथ दोनों टीमों के आठ-आठ अंक हो गए हैं और अब दोनों के पास दो-दो मैच शेष हैं।

हालांकि नॉकआउट तक का रास्ता अब भी कठिन है। दोनों टीमों को अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे और साथ ही उम्मीद करनी होगी कि तीसरे स्थान पर मौजूद नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स अंक गंवाए। इसी दौड़ में साउदर्न ब्रेव (12 अंक) और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स (8 अंक) भी शामिल हैं।

मैच में बर्मिंघम फीनिक्स ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निराशाजनक शुरुआत की। बेन डकेट को राइली मेरेडिथ ने जल्दी ही आउट कर दिया। जो क्लार्क और विल स्मीड ने रन गति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन बेन केलअवे ने क्लार्क को आउट कर फीनिक्स की पारी को झटका दिया। टीम 58/3 से 85/5 पर लड़खड़ा गई। इसके बाद बेनी हावेल और जैकब बेथेल ने 39 रन जोड़कर संघर्ष किया, मगर अंत तक टीम केवल 138/9 तक ही पहुंच सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेल्श फायर ने शानदार शुरुआत की। स्टीव स्मिथ और स्टीफन एस्किनाज़ी ने 72 रन की साझेदारी की। एस्किनाज़ी 42 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन स्मिथ ने पारी संभाले रखी। बीच में जॉनी बेयरस्टो ने ताबड़तोड़ 35 रन (21 गेंद) जोड़े और टीम को जीत की ओर धकेला। अंत में कप्तान टॉम एबेल ने चौका जड़कर जीत दिलाई।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड: बर्मिंघम फीनिक्स ङ्क 138/9 (100 गेंदों में), (जैकब बेथेल 38, जो क्लार्क 24; क्रिस ग्रीन 3/27, बेन केलअवे 2/10, राइली मेरेडिथ 2/25) वेल्श फायर ङ्क 140/2 (89 गेंदों में) (स्टीवन स्मिथ 47*, स्टीफन एस्किनाज़ी 42, जॉनी बेयरस्टो 35) परिणामः वेल्श फायर 8 विकेट से विजयी।

लियोनेल मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की टीम नवंबर में आएगी भारत, खेलेगी मैत्री मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि लियोनेल मेसी के नेतृत्व में अर्जेंटीना नवंबर-2025 में केरल में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैच खेलेगा। यह मैत्रीपूर्ण मैच नवम्बर फीफा विंडो में खेले जाने वाले तीन मैचों का हिस्सा होगा। अर्जेंटीना की टीम दो अन्य मैच ला एल्बीसेलेस्टे लुआंडा और अंगोला में खेलेगी। एएफए ने कहा, लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के पास 2025 के शेष समय में दो फीफा मैत्री मैच होंगे। पहला मैच, अक्टूबर में 6 से 14 तारीख तक, संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी और शहर निर्धारित किए जाएंगे)। दूसरा, नवंबर में 10 से 18 तारीख तक, लुआंडा, अंगोला और केरल, भारत में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी निर्धारित किए जाएंगे)।

हालांकि प्रतिद्वंद्वी की पुष्टि नहीं हुई है, मोरक्को, कोस्टा रिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ बातचीत हुई है, जबकि जापान से भी जल्द ही बातचीत की संभावना है। त्रिवेंद्रम का ग्रीन फील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम इस मैच का संभावित स्थल है और एएफए के अधिकारी इस साल के अंत में टीम के भारत दौरे से पहले, सुरक्षा उपायों और मैदान का निरीक्षण करेंगे।

2011 के बाद से यह मेसी और अर्जेंटीना का पहला भारत दौरा होगा, जब उन्होंने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण मैच खेला था। केरल में मैच आयोजित करने की यह घोषणा राज्य और रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग के लिए राहत की बात है। क्योंकि अर्जेंटीना ने पहले इस साल भारत आने पर संदेह व्यक्त किया था। केरल के खेल मंत्री वी. अब्दुरहीमान ने मई में कहा था कि टीम 2025 में केरल का दौरा नहीं करेगी, जबकि रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी ने 31 दिसंबर तक दौरा न होने पर अर्जेंटीना खेमे को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी। केरल सरकार की वाणिज्यिक साझेदार रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग कंपनी इस बातचीत में सक्रिय भूमिका निभा रही है और राज्य में अर्जेंटीना के आगमन के लिए भी यही कंपनी ज़िम्मेदार है। रिपोर्टर ब्रॉडकास्टिंग ने कहा कि उसने दिसंबर 2024 में अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ हुए समझौते के अनुसार, जून में अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन को 130 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है।

एशिया कप 2025 के लिए बांग्लादेश टीम घोषित, लिटन दास होंगे कप्तान; शांतो-मेहदी बाहर

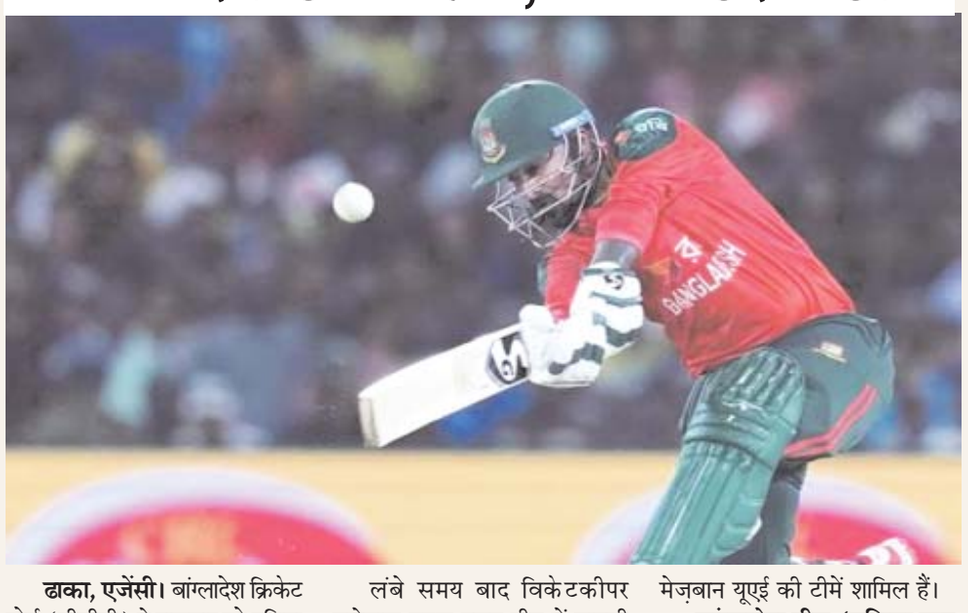

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार को एशिया कप 2025 के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। इस टीम के खिलाड़ी इससे पहले नीदरलैंड्स के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज़ भी खेलेंगे। टीम की कमान लिटन दास के हाथों में होगी, जिन्होंने हाल ही में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज़ में बांग्लादेश को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी।

लंबे समय बाद विकेटकीपर बल्लेबाज़ नुरुल हसन टीम में वापसी कर रहे हैं। वहीं, अनुभवी ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज़ को मुख्य टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि सीनियर बल्लेबाज़ नजमुल हुसैन शांतो भी टीम से बाहर कर दिए गए हैं। सौम्या सरकार को स्टैंडबाय खिलाड़ियों में रखा गया है। बांग्लादेश को एशिया कप में ग्रुप-बी में रखा गया है, जहां उसका सामना अफगानिस्तान, हांगकांग और श्रीलंका से होगा। वहीं ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और मेज़बान यूएई की टीमें शामिल हैं।

बांग्लादेश टीम (एशिया कप 2025): लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदॉय, जाकिर अली अनिक, शमीम हुसैन, क्राजी नुरुल हसन सोहन, शाक माहीदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजिम हसन साकिब, तास्किन अहमद, शरीफुल इस्लाम, शैफ उद्दीन। स्टैंडबाय खिलाड़ीः सौम्या सरकार, मेहदी हसन मिराज़, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद।

यूपीटी20 लीग : सिद्धार्थ की विस्फोटक पारी से गोरखपुर लायंस की लखनऊ फाल्कन्स पर धमाकेदार जीत

लखनऊ, एजेंसी। भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में शुक्रवार रात खेले गए यूपीटी20 लीग के 11वें मैच में गौर गोरखपुर लायंस ने लखनऊ फाल्कन्स को रोमांचक अंदाज़ में 7 विकेट से मात दी। टीम के हीरो रहे सिद्धार्थ यादव, जिन्होंने आखिरी ओवर में गज़ब का तूफ़ान मचाते हुए मैच पूरी तरह पलट दिया। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस को आखिरी 6 गेंदों में 22 रन चाहिए थे। लग रहा था कि मुकाबला हाथ से निकल चुका है, लेकिन सिद्धार्थ यादव ने किशन कुमार सिंह के ओवर में 3 छक्के और 1 चौका जड़ते हुए सिर्फ 5 गेंदों में टीम को अविश्वसनीय जीत दिला दी। सिद्धार्थ ने केवल 45 गेंदों में नाबाद 88 रन की पारी खेली, जिसमें 7 छक्के और 6 चौके शामिल थे। उन्होंने अक्षदीप नाथ (32) के साथ तीसरे विकेट के लिए 96 रनों की साझेदारी की। इससे पहले पहले ध्रुव जुरेल (29) और आर्यन जुयाल तेज शुरुआत देने के बाद आउट हो गए। इसके बाद सिद्धार्थ और नाथ ने पारी को संभालते हुए टीम को मज़बूती दी। 15वें ओवर तक स्कोर 127/2 था, लेकिन फाल्कन्स के गेंदबाज़ भुवनेश्वर कुमार (4 ओवर, 16 रन) और विप्रज निगम (4 ओवर, 23 रन, 1 विकेट) ने दबाव बनाए रखा। आखिरी ओवर तक फाल्कन्स जीत के करीब थे, मगर सिद्धार्थ ने शानदार स्ट्रोकप्ले से सारा समीकरण बदल दिया।

फाल्कन्स की पारी : टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए लखनऊ फाल्कन्स की शुरुआत बेहद खराब रही और 44 रन तक 4 विकेट गिर गए। लेकिन इसके बाद आराध्या यादव (68, 47 गेंद, 6 चौके, 4 छक्के) और कृतज्ञा सिंह (70, 38 गेंद, 7 छक्के, 4 चौके) ने पांचवें विकेट के लिए 123 रनों की विस्फोटक साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। गोरखपुर लायंस के लिए तीरथ सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 37 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके अलावा वासु वत्स ने भी 23 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

संक्षिप्त स्कोर- लखनऊ फाल्कन्सः 182/8 (कृतज्ञा सिंह 70, आराध्या यादव 68; तीरथ 4/37, वासु 3/23)। गोरखपुर लायंसः 183/3, 19.5 ओवर (सिद्धार्थ यादव 88*, अक्षदीप नाथ 32; निगम 1/23)।

मैन ऑफ द मैचः सिद्धार्थ यादव (88* रन, विजयी पारी)

सड़क दुर्घटना मे घायल वरिष्ठ पत्रकार का हालचाल जानने जगदलपुर विधायक व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव महारानी अस्पताल पहुँचे

जगदलपुर, एजेंसी। सड़क दुर्घटना मे घायल वरिष्ठ पत्रकार सत्यनारायण पाठक का हालचाल जानने जगदलपुर विधायक व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव महारानी अस्पताल पहुँचे। विगत तीन दिन पूर्व पत्रकार सत्यनारायण पाठक जगदलपुर शहर से अपने निजी निवास धरमपुरा जा रहे थे इसी दौरान धरमपुरा मार्ग पर एक ऑटो रिक्शा ने मोटर सायकल सवार पत्रकार पाठक को जोरदार टक्कर मार दी जिससे दाए हाथ के कंधे पर गंभीर चोट लगी उसके बाद उन्हे महारानी अस्पताल मे बेहत्तर उपचार के लिए भर्ति कराया गया। अभी हाल फिलहाल स्थिति बेहत्तर बनी हुई हैं। विधायक किरण देव ने वरिष्ठ पत्रकार का इलाज कर रहे डॉक्टर संजय प्रसाद व डॉक्टर बी पी गुप्ता से मिल कर भी अंदरूनी चोट व स्वास्थ संबंधित जान कारी ली...और वंही विधायक किरण देव ने घायल पत्रकार पाठक की जल्द स्वास्थ्य होने की कामना की। इस दौरान जिला पत्रकार संघ के वरिष्ठ सदस्य जी आर सोनी ,पत्रकार कल्याण संगठन बस्तर संभाग के वरिष्ठ सदस्य बी महेश राव के अलावा बड़ी संख्या मे लोग मौजूद रहे।

गौ माँस के साथ एक गिरफ्तार,दो फरार

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर जिले सहित छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में गौ हत्या,गौ माँस तस्कर व गौ तस्करों पर छत्तीसगढ़ सरकार लगातार कार्यवाही कर रही है द्य बस्तर जिले में कुछ माह पूर्व बडांजी थाना क्षेत्र के सिरिसगुड़ा कांडकी पारा से 4 गौ हत्यारे पकड़े गए थे द्य इसके बाद परपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गाँवो से पिक अप वाहन से गौ तस्करी करते 3 गौ तस्कर पकड़ाये द्य इसके बाद नगरनार थाना क्षेत्र के मारकेल में ट्रेन हादसे के शिकार मे मृत गौ वंश को गौ माँस खाने व बेचने के उद्देश्य से तुलसी राम,सोनाधर और लिमधर द्वारा काटा जा रहा था,जिसकी सूचना बजरंगदल और पुलिस को हुई द्य जिसके बाद पुलिस कार्यवाही में गौ माँस के साथ एक गिरफ्तार हुआ और दो फरार हो गए बजरंगदल जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी ने बताया की ट्रेन हादसों में गौ वंश घायल और मृत के मामले लगातार आ रहे इसे रोकने रेल प्रबंधन को आवश्यक कदम उठाना चाहिये द्य हम हिंदू गाय को माता मान कर पूजा करते है और कुछ विशेष धर्म के लोग गौ हत्या या गौ माँस भक्षण कर समाज को दूषित कर रहे है द्य सरकार बस्तर जिले में चल रहे अवैध पशु बाजारों को बंद करे और गौ हत्या व गौ तस्करी रोकने विशेष अभियान चलाये द्य क्युकी लगातार गौ तस्करी,गौ माँस तस्करी धड्डले से जारी है इसकी रोकथाम जरूरी है जिला संयोजक मुन्ना बजरंगी,जिला सह मंत्री घनश्याम नाग, जिला सह संयोजक सनी रैली, प्रखंड अध्यक्ष कैलाश ठाकुर, नगर सह मंत्री भवानी सिंह चौहान, नगर गौ रक्षा प्रमुख शत्रुघ्न कश्यप, नगर सत्संग प्रमुख सुन्दर कश्यप एवं अन्य बजरंगी उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती पर बस्तर की उभरती महिला उद्यमी रजिया शेख के साथ हुई बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों पर पॉडकास्ट

जगदलपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिला प्रशासन एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा बस्तर के व्यंजनों पर आधारित पॉडकास्ट का आयोजन बादल अकादमी में किया गया। इस चर्चा में बस्तर की एक सफल महिला उद्यमी रजिया शेख शामिल हुईं, जो अपने प्रयासों से बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों को एक नई पहचान दी है और उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाज़ारों तक पहुंचा रही हैं। उन्होंने बताया कि बस्तर की महिलाएं परिवार की आर्थिक व्यवस्था में रीढ़ की हड्डी हैं जो खेती-किसानी, वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण सहित अन्य उत्पादक गतिविधियों को बेहतर ढंग से संचालित कर रही हैं साथ ही पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद को समूचे प्रदेश एवं देश में फैला रही हैं। जनसंपर्क विभाग के द्वारा आयोजित पॉडकास्ट में रजिया शेख ने अवगत कराया कि अपने व्यवसाय की शुरुआत बस्तर के पारंपरिक व्यंजनों को आधार बनाकर की थी। आज वह महुआ, गुड़, हल्दी, काजू और इमली जैसे स्थानीय उत्पादों से विविध खाद्य पदार्थ तैयार करती हैं, जिनकी मांग वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही है। उन्होंने जगदलपुर में एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट की भी स्थापना की है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और रजिया अपने उद्यम में अन्य महिलाओं को रोजगार प्रदान कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि बस्तर जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को बस्तर के व्यंजनों के सम्बन्ध में चर्चा आयोजित की गई।

मंत्री केदार कश्यप जी को परिवहन विभाग का अतिरिक्त प्रभार मिलने पर जगदलपुर सर्किट हाउस में महापौर संजय पांडे के नेतृत्व में बधाई दी गई। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बस्तर के वनों को देखने के लिए दुनिया भर के आते हैं पर्यटक: केदार कश्यप

बस्तर की संस्कृति और पर्यटन के नाम से आज देश-विदेश में बस्तर की अलग पहचानः किरण सिंह देव

जगदलपुर, एजेंसी। वन विभाग व कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा शहीद गुंडाधुर कृषि कालेज जगदलपुर के सभागार में आयोजित कनेक्ट बस्तर कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर ईको टूरिस्ट समिति के समूहों को बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन के दृष्टि से बस्तर क्षेत्र में वन बहुत बड़ा आधार है, बस्तर के वनों को देखने के लिए दुनिया भर के पर्यटक आते हैं । कनेक्ट बस्तर की थीम पर पर्यटन की दृष्टि से वन विभाग और कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान द्वारा कोंडागांव जिले के टाटामारी से बस्तर जिले के चित्रकोट, नारायणपाल मंदिर, तीरथगढ़, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान और दंतेवाड़ा जिले के दंतेश्वरी मंदिर, बारसूर के मंदिर को एक सर्किट बनाकर पर्यटकों की सुविधा हेतु दस वाहन की व्यवस्था की गई है । कार्यक्रम में जगदलपुर विधायक किरण देव ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जैसे वनांचल क्षेत्र में पर्यटन के विकास को गति दी है। बस्तर की संस्कृति और पर्यटन के नाम से आज देश विदेश में बस्तर क्षेत्र की अलग पहचान बनी है। अब बस्तर के धुरमारास पर्यटन स्थल को यूनेस्को जैसी संस्था सम्मान दे रही है । हमको

बस्तर को पर्यटन के दृष्टि से कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान की एक अच्छी पहल पर्यटन के लिए दस वाहनों का लोकार्पण किया गया है । इसके अलावा कार्यक्रम में लगभग एक करोड़ 70 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया । इस अवसर पर मंत्री कश्यप और विधायक देव ने कनेक्ट बस्तर की थीम का विमोचन किया गया, वन विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक वितरण किया। साथ ही शासकीय आवास गृह निर्माण हेतु 59 लाख 92 हजार, नक्षत्र वाटिका के सौंदर्यीकरण के लिए 72 लाख 48 हजार का और पाँच सरई शेड निर्माण के लिए 38 लाख रुपए 13 हजार रुपए लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया । साथ ही पर्यटन के सुविधा के लिए दस वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस मौके पर महापौर संजय पांडेय, अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि, सीसीएफ वन्य-जीव स्टायलो मंडावी, डीएफओ उत्तम गुप्ता, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान के संचालक नवीन कुमार, अपर कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी सहित अन्य गणमान्य नागरिक और अधिकारी उपस्थित रहे ।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के तहत जनसंपर्क विभाग ने सेजेस के बच्चों को कराया हेरिटेज वॉक

स्कूली बच्चों ने बस्तर की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी मंदिर, सिरहासार सहित दसरा-पसरा का भ्रमण कर जाना बस्तर दशहरा पर्व का इतिहास

छत्तीसगढ़, एजेंसी। राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित रजत महोत्सव के तहत शुक्रवार को जनसंपर्क विभाग द्वारा स्कूली बच्चों को हेरिटेज वॉक कराया गया। इस दौरान सेजेस संजय मार्केट जगदलपुर के स्कूली बच्चों ने बस्तर की आराध्य देवी मां दन्तेश्वरी मंदिर, सिरहासार भवन सहित दसरा-पसरा का भ्रमण कर इन महत्वपूर्ण स्थलों के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के इतिहास से वाकिफ हुए। इस मौके पर बस्तर की संस्कृति की जानकार एवं सोशल मीडिया इनफ्ल्यूएंसर बिन्दु बी. ने उक्त स्कूली बच्चों को बस्तर रियासत एवं जगतूगुड़ा के इतिहास, काकतीय राजवंश द्वारा मां दन्तेश्वरी मंदिर की स्थापना सहित बस्तर दशहरा पर्व के इतिहास और ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व के विभिन्न पूजा विधानों के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया। इस दौरान प्रकाश, कृष्णा,बुशरा कुरैशी, अक्षता नामदेव, मुस्कान देवांगन आदि बच्चों ने कहा कि बस्तर रियासत एवं जगतूगुड़ा के इतिहास काफी रोचक है। वहीं सुहाना पाणिग्राही, अवनी राणा, सिमरन कौर, अनिरुद्ध दतसेना, गौरव कसेर, ऋत्विक नाग, अमित सिन्हा इत्यादि बच्चों ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा पर्व को यहां की समृद्ध संस्कृति और परंपरा का संवाहक निरूपित किया। इन स्कूली बच्चों के साथ शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी हेरिटेज

वॉक को पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थलों के बारे जानने-समझने के लिए बढ़िया माध्यम रेखांकित किया। इस मौके पर उपसंचालक जनसम्पर्क कमल बघेल, जिला समन्वयक छत्तीसगढ़ संवाद अभिषेक ठाकुर एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

वनमंत्री केदार कश्यप के आग्रह पर किसान ने वनभूमि कब्जा छोड़ा, मंच से किया गया सम्मान

वनभूमि कब्जाधारी किसान ने पेश की अनूठी पहल, वनमंत्री केदार कश्यप के आग्रह पर कब्जा छोड़ा

जगदलपुर, एजेंसी। बस्तर प्रवास के दौरान वनमंत्री केदार कश्यप बेसोली में आयोजित वन महोत्सव में सम्मिलित हुए। जहाँ उन्होंने पीपलवांड ग्राम पंचायत में वन विभाग के जमीन पर गांव के निवासी सोन सिंह पिता पदम उम्र 48 वर्ष से वन भूमि पर किया गया कब्जा छोड़ने का आग्रह किया। आज किसान ने अपनी कब्जे की जमीन को ग्रामवासियों के समक्ष लिखित में वापस की और भविष्य में ऐसा कार्य नहीं करने की प्रतिज्ञा ली। वनमंत्री केदार कश्यप ने किसान सोनसिंह के इस निर्णय को अनुकरणीय बताया है। उन्होंने कहा यह एक एक अनूठी पहल है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा सोनसिंह के इस कार्य से अन्य लोग भी जल्द प्रभावित होकर समाज हित में वनभूमि से कब्जा छोड़ने का निर्णय लेंगे। वहां के सरपंच केशव जी एवं लोगों ने उनकी इस मिसाल का स्वागत किया है एवं उन्हे धन्यवाद ज्ञापित किया । वन विभाग के उच्च अधिकारी मुख्य वन संरक्षक आर सी दुग्गा सर एवं वन मंडलअधिकारी उत्तम गुप्ता के नेतृत्व में यह कार्य बहुत ही अच्छे एवं ढंग से चल रहा है जिसका परिणाम है कि आज लोग स्वयं से आकर कब्जे की जमीन का वापसी कर रहे है। उप वनमण्डलाधिकार आई पी बंजारे एवं भानपुरी के वन परिक्षेत्र अधिकारी डॉक्टर प्रीतेश कुमार पांडे ने सोन सिंह के इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दी एवं अन्य अतिक्रमण कारियो से भी आग्रह किया है जो भी लोग है इस प्रकार से कब्जा किए है स्वयं से आकर अपनी कब्जे की जमीन को वापिस कर दे। वन विभाग ने आश्वस्त किया है ग्राम सभा के माध्यम से 2 तालाब और 125 एकड़ के फेंसिंग का कार्य एवं मिश्रित वृक्षा रोपड़ की मांग की गयी है जिसका कार्य बहुत जल्द ही पूर्ण किया जाएगा एवं वहां पर लोगों के आजीविका एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे।

छीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष 2025

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान एवं साइबर सुरक्षा की दी गई जानकारी

कोण्डागांव, एजेंसी। छत्तीसगढ़ निर्माण के 25 वीं वर्षगांठ पर पूरे राज्य में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव वर्ष 2025 का आयोजन किया जा रहा है, जिसके तहत अलग-अलग विभागों द्वारा कई गतिविधियाँ की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी अवनी कुमार बिसवाल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 18 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मसोरा, 19 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हनी तथा 20 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ेडोंगर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से संबंधित गतिविधियां एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली, कुर्सी दौड़ जैसी रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण, आत्मरक्षा, बाल अधिकार, पॉक्सो एक्ट एवं गुड टच-बैड टच जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना कोण्डागांव-03 से परियोजना अधिकारी मनीष कुमार मेश्राम, पर्यवेक्षक बबीता चौधरी, पुष्पा वर्मा एवं निधि वर्मा, परियोजना बड़ेडोंगर से परियोजना अधिकारी सुनीता शर्मा एवं पर्यवेक्षक मालती कोर्राम, मिशन शक्ति से जिला मिशन समन्वयक रीना सिंह ठाकुर, जेंडर विशेषज्ञ माधुरी उसेण्डी एवं उमेश कुमार मरापी उपस्थित रहे। इसके अलावा संरक्षण अधिकारी सावित्री पोटाई, सुपरवाइजर मोपला कोर्राम, केंद्र प्रबंधक बी.टी. दास सहित विद्यालय का पूरा स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं कार्यक्रम का हिस्सा बने।

पशुधन के प्रति कृतज्ञता के साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है पोला त्यौहार

छत्तीसगढ़, एजेंसी। जिसे ÷धान का कटोरा÷ के रूप में जाना जाता है, एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां की संस्कृति और परंपराएं गहरे रूप से खेती-किसानी और प्रकृति से जुड़ी हुई हैं। यहां के त्यौहार और पर्व न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाते हैं, बल्कि किसानों और उनके पशुधन के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को भी व्यक्त करते हैं। इनमें से एक प्रमुख और लोकप्रिय पर्व है पोला, जो छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व विशेष रूप से किसानों और उनके बैलों के प्रति समर्पित है, जो खेती-किसानी में उनकी सबसे महत्वपूर्ण सहायता करते हैं।

पोला छत्तीसगढ़ का एक पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व है, जो भाद्रपद मास की अमावस्या को मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से कृषि और पशुधन, विशेषकर बैलों की पूजा से जुड़ा है। छत्तीसगढ़ के अलावा, यह पर्व महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, और कर्नाटक जैसे राज्यों में भी विभिन्न रूपों में मनाया जाता है। यह त्यौहार किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह उनकी मेहनत और पशुधन के योगदान को सम्मान देने का अवसर प्रदान करता है। पोला पर्व का मूल उद्देश्य खेती-किसानी में बैलों के योगदान को मान्यता देना और उनकी पूजा करना है। यह छत्तीसगढ़ की सनातन परंपराओं और कृषि संस्कृति से गहराई से जुड़ा हुआ है। बैल, जो खेती-किसानी में किसानों के सबसे बड़े सहायक हैं, इस दिन विशेष सम्मान के पात्र बनते हैं। यह पर्व मानसून के समापन और खरीफ फसल की बोआई के बाद मनाया जाता है, जो किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण समय होता है। पोला पर्व की तैयारियां कई दिन पहले से शुरू हो जाती हैं। पोला पर्व के दिन, सुबह से ही उत्साह का माहौल होता है।किसान अपने बैलों को नदी या तालाब में ले जाकर स्नान कराते हैं।

संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में सुकमा के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

7 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

सुकमा, एजेंसी। जिले के खिलाड़ियों ने एक बार फिर खेल मैदान में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जिला शिक्षा अधिकारी जी.आर. मंडावी व सहायक खेल अधिकारी कमल कौसरिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25वीं संभाग स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन 21 अगस्त 2025 को हॉकी स्टेडियम पंडरीपानी, जगदलपुर में किया गया।

इस प्रतियोगिता में सुकमा जिले से सेजेस छिंदगढ़ की पीटीआई योगिता नायक हॉकी कोच के नेतृत्व में 10 खिलाड़ियों की टीम ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने खेल मैदान पर दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों व निर्णायकों की सराहना प्राप्त की। प्रतिस्पर्धा के उपरांत सुकमा जिले के कुल 7 खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता के लिए किया गया। यह उपलब्धि जिले के खेल इतिहास में एक गौरवपूर्ण अध्याय जोड़ती है। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव एवं जिला शिक्षा अधिकारी जीआर मंडावी ने खिलाड़ियों की इस सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गर्व की बात है, बल्कि आने वाले समय में अन्य खिलाड़ियों को भी प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा ताकि वे राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें और प्रदेश का नाम रोशन करें।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी को लेकर थाना प्रभारियों का लिया गया बैठक

कोंडागांव, एजेंसी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं उनके नेतृत्व में नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने हेतु कोण्डागांव जिले के समस्त थाना प्रभारीयों का एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजन हुआ।

बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी कोण्डागांव शिवप्रकाश त्रिपाठी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय की अध्यक्षता में यह बैठक सम्पन्न हुआ। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिसमें आगामी दिनांक 13 सितम्बर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत की सफल एवं न्याय प्रक्रिया की दक्षता को बढ़ाना, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए रणनिति बनाना तथा कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु न्यायपालिका और पुलिस विभाग के बीच समन्वय स्थापित करना था। न्यायिक अधिकारियों ने समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि सुलहनीय वादों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता से निपटाया जाए जिससे पक्षकारों को त्वरित न्याय मिल सके। इसके साथ ही लंबित मामलों की सूची तैयार कर न्यायालय के साथ समन्वय स्थापित करें ताकि मामलों का शीघ्र निस्तारण संभव हो सके। इसके साथ ही यह भी निर्देशित किया कि विशेष तौर पर आबकारी अपराध, ट्रैफिक चालान और सामान्य अपराधों को अधिक से अधिक निराकरण पर जोर देना तथा प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को अपने-अपने स्तर पर तामिली करवाने हेतु सुनिश्चित करना।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा